



संपादकीय

“मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है,,

लोकतंत्र का उत्सव या उपहास? जब गांव की सरकार का फैसला शराब की थैली करने लगे!

दूध बेचने वाला घर-घर जाकर ग्राहक तलाशता है, अपनी गुणवत्ता साबित करता है और कीमत बताते समय मोलभाव भी सुनता है। दूसरी ओर, शराब की दुकान पर पहुंचने वाला ग्राहक अक्सर बांड का नाम बताता है, पैसे चुकाता है और बिना किसी बहस के लौट जाता है। दूध महंगा होने पर लोग विरोध करते हैं, लेकिन शराब निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर मिलने पर भी अनेक लोग चुपचाप साथ लेते हैं। दूध और शराब की यह तुलना केवल दो वस्तुओं की कीमतों का अंतर नहीं, बल्कि समाज की प्राथमिकताओं पर एक तीखा सवाल है। मगर राजस्थान में पंचायत चुनावों के माहौल में इस सवाल का एक और चिंताजनक पहलू सामने आता है—गांव का विकास करने का दावा करने वाले प्रत्याशियों की योग्यता और लोकप्रियता का आकलन कहीं शराब की थैलियों, मुफ्त की महफिलों और चुनावी खातिरदारी से तो नहीं होने लगा है? यहां में बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। पंचायती राज लोकतंत्र की वह बुनियाद है, जहाँ गांव के लोगों को अपने स्थानीय शासन में भागीदारी का अवसर मिलता है। ग्राम पंचायत केवल एक पद या प्रविष्टि का प्रतीक नहीं, बल्कि सार्वजनिक धन, विकास योजनाओं, सामाजिक न्याय और ग्रामीण भविष्य की जिम्मेदारी है। सरपंच के पास गांव की समस्याओं को समझने, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में भूमिका निभाने और ग्रामसभा के माध्यम से जनभागीदारी को मजबूत करने का दायित्व होता है। लेकिन जब चुनावी मुकाबले में जनसेवा के संकल्पों से अधिक शराब की बोलियों, पत्तों और थैलियों की चर्चा होने लगे, तब सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या लोकतंत्र का यह उत्सव धीरे-धीरे अपने ही उद्देश्य का उपहास बनता जा रहा है?

मुंशी परमचंद की कहानी 'पंच परमेश्वर' में पंचायत के पद पर बैठने के बाद व्यक्ति से निष्पक्ष न्याय और जिम्मेदारी की अपेक्षा दिखाई देती है। पंच का महत्व उसकी निजी हैसियत से नहीं, बल्कि न्याय करने की भावना से बनता है। आज उसी पंचायत व्यवस्था के चुनाव में यदि मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए शराब बांटने, मुफ्त की महफिलें सजाने और व्यक्तिगत लाभ के लालच देने की शिकायतें सामने आती हैं, तो यह केवल चुनावी अनियमितता का विषय नहीं रह जाता; यह उस नैतिक आधार पर भी चौंका है, जिस पर लोकतंत्र खड़ा है। पंच परमेश्वर की कल्पना और शराब के सहारे वोट जुटाने की प्रवृत्ति के बीच का अंतर हमारे समय की राजनीतिक विडंबना को उजागर करता है। सबसे चिंताजनक स्थिति तब पैदा होती है, जब चुनावी शराब की खातिरदारी को ही राजनीतिक समर्थन का प्रमाण समझ लिया जाता है। कुछ लोग प्रत्याशी के समर्थक बनकर गली-महल्लों में घूमते हैं, शराब की व्यवस्था करते हैं और यह दावा करते हैं कि अमुक व्यक्ति के वोट पक्के हो गए। लेकिन क्या मुफ्त की शराब पीने वाला मतदाता वास्तव में किसी प्रत्याशी का समर्थक बन जाता है? क्या एक शाम की महफिल फांच साल के राजनीतिक संबंधों की गारंटी दे सकती है? मतदाता का निर्णय स्वतंत्र होता है और उसका वोट किसी की निजी संपत्ति नहीं है। जो व्यक्ति शराब की खातिरदारी स्वीकार करता है, वह भी अंततः अपने विवेक से मतदान कर सकता है। इसलिए शराब बांटने वाले प्रत्याशी के लिए यह मान लेना भी भ्रम है कि उसने किसी का वोट खरीद लिया है। इस प्रवृत्ति का दूसरा पहलू आर्थिक है। चुनाव में यदि कोई प्रत्याशी बड़ी रकम खर्च करके शराब, भोजन और अन्य प्रलोभनों के सहारे समर्थन जुटाने का प्रयास करता है, तो यह सवाल उठता है कि चुनाव जीतने के बाद वह अपने खर्च की भरपाई किस सामर्थ्यता से करेगा। यह कहना उचित नहीं होगा कि अधिक खर्च करने वाला हर प्रत्याशी श्रेष्ठ ही होगा, लेकिन चुनाव को निवेश और पद को मुनाफे का साधन मानने की प्रवृत्ति निश्चित रूप से लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए खतरा है। पंचायत के बजट और सरकारी योजनाओं का उद्देश्य गांव का विकास करना है, न कि चुनावी खर्च की भरपाई करना। यदि किसी प्रत्याशी की प्राथमिकता ही निजी लाभ हो जाए, तो सड़क, नाली, पेयजल, स्वच्छता और ज़रूरतमंदों के हित पीछे छूट सकते हैं। इसलिए मतदाताओं को प्रत्याशी के चुनावी खर्च से अधिक उसकी नीयत, कार्यक्षमता और जवाबदेही पर ध्यान देना चाहिए। लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी भी एक महत्वपूर्ण विषय है। महिला आरक्षण का उद्देश्य महिलाओं को स्थानीय शासन में वास्तविक प्रतिनिधित्व, निर्णय लेने की स्वतंत्रता और नेतृत्व के अवसर प्रदान करना है। लेकिन यदि किसी महिला को केवल नामांकन भ्रमना, दिवारों पर तस्वीर लगाने या औपचारिक प्रत्याशी बनाने तक सीमित रखा जाए और वास्तविक फैसले परिवार के पुरुष सदस्य ही लें, तो प्रतिनिधित्व का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। महिला जनप्रतिनिधि की पहचान केवल उसके नाम से नहीं, बल्कि पंचायत के निर्णयों में उसकी स्वतंत्र और प्रभावी भूमिका से होनी चाहिए। गांव की सरकार तभी समावेशी बनेगी, जब महिलाओं को प्रचार, संवाद, ग्रामसभा और प्रशासनिक निर्णयों में सक्रिय भागीदारी का अवसर मिलेगा। यह भी समझना ज़रूरी है कि शराब का कारोबार करने वाला प्रत्येक व्यक्ति चुनावी अनैतिकता में शामिल नहीं होता और न ही शराब बांटने के आसप के आधार पर किसी व्यक्ति को दोषी ठहराया जा सकता है। सवाल किसी विशेष व्यवसाय या समुदाय को निशाना बनाने का नहीं, बल्कि चुनाव में अवैध प्रलोभनों और मतदाताओं को प्रभावित करने वाली गतिविधियों का है। यदि शराब या अन्य वस्तुओं के वितरण के जरिए मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश होती है, तो इसकी शिकायत संबंधित निर्वाचन अधिकारियों से की जानी चाहिए। निष्पक्ष जांच, कानूनी कार्रवाई और चुनावी नियमों का समान रूप से पालन ही लोकतंत्र की विश्वसनीयता को सुरक्षित रख सकता है। अब जिम्मेदारी मतदाताओं की भी है। गांव के जागरूक नागरिकों, युवाओं, सामाजिक संगठनों और बुद्धिजीवियों को चुनावी चर्चा का केंद्र बदलना होगा। यह पूछा जाना चाहिए कि प्रत्याशी गांव की पेयजल समस्या का समाधान कैसे करेगा? सरकारी विद्यालयों की स्थिति सुधारने के लिए उसकी योजना क्या है? पंचायत के धन का हिसाब जनता के सामने कैसे रखा जाएगा? अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिलाओं और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के अधिकारों की रक्षा कैसे होगी? क्या वह ग्रामसभा को प्रभावी बनाएगा और विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करेगा? ऐसे प्रश्न शराब की महफिलों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इनका संबंध गांव के अगले पांच वर्षों से है। डॉ. भीमराव आंबेडकर की लोकतांत्रिक दृष्टि में राजनीतिक लोकतंत्र के साथ सामाजिक समानता और बंधुता का महत्व भी केंद्रीय था। लोकतंत्र की रक्षा केवल मतदान केंद्र तक पहुंचने से नहीं होती, बल्कि विवेकपूर्ण निर्णय, समान अधिकारों के सम्मान और सार्वजनिक जीवन में नैतिक जिम्मेदारी से होती है। मतदाता यदि अपने वोट का मूल्य समझता है, तो वह क्षणिक प्रलोभन के बजाय दीर्घकालीन जनहित को प्राथमिकता दे सकता है। युवाओं को भी यह समझना होगा कि राजनीति में प्रवेश का अर्थ केवल भीड़ जुटाना, महफिल सजाना या किसी प्रभावशाली व्यक्ति का समर्थक बनना नहीं है; वास्तविक नेतृत्व समाज की समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए ईमानदारी से काम करने में है। अंततः, पंचायत चुनाव किसी प्रत्याशी की जेब की ताकत का प्रदर्शन नहीं, बल्कि गांव के भविष्य का फैसला है। शराब की एक थैली कुछ समय के लिए उत्साह पैदा कर सकती है, लेकिन उससे गांव की दृढ़ी सड़क नहीं बनती, खेतों तक पानी नहीं पहुंचता, विद्यालयों की शिक्षा बेहतर नहीं होती और न ही सामाजिक भेदभाव समाप्त होता है। पांच साल तक गांव की जिम्मेदारी निभाने वाले प्रतिनिधि का चयन कुछ घंटों की खातिरदारी के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए।

भीड़ से नारे लगे-चौथी बार अशोक गहलोत सरकार पूर्व सीएम ने कहा-ऐसे मत बोलो, हमारे बीच गलतफहमी होती है

भीम प्रज्ञा न्यूज

बीकानेर । बीकानेर के नाल में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को सभा को संबोधित किया। गहलोत ने कहा- आप लोगों के आशीर्वाद से 3 बार मुख्यमंत्री बना। इस पर लोगों ने चौथी बार अशोक गहलोत सरकार के नारे लगाए। गहलोत ने कहा-आप ऐसे नारे मत मत लगाओ, हमारे बीच गलतफहमी होती है। मुख्यमंत्री कौन बनेगा, ये आलाकमान तय करता है। राहुल, प्रियंका, सोनिया गांधी तय करेंगे। इससे पहले नाल एयरपोर्ट पर कांग्रेस नेताओं ने गहलोत का स्वागत किया। गहलोत ने नाल बड़ी गांव में पत्रकारों से बातचीत की। इसके बाद वे हवाई पहुंचे, जहां पूर्व मंत्री भनर सिंह भाटी के पिता रघुनाथ सिंह भाटी के निधन पर शोक व्यक्त किया और परिजनों को सात्वना दी।

‘मतदाता सूची से लोगों के नाम नहीं कटने चाहिए’

गहलोत ने कहा- राहुल गांधी ने वोट चोरी का मुद्दा उठाकर चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता का सवाल सामने रखा है। हरियाणा, महाराष्ट्र और पश्चिम

‘कांग्रेस में सभी नेता मिलकर काम कर रहे’

गहलोत ने कहा- प्रदेश कांग्रेस में सभी नेता और कार्यकर्ता एकजुट हैं। पार्टी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और अन्य नेता मिलकर काम कर रहे हैं। मैंने पहले भी स्पष्ट किया है कि प्रदेश के सभी नेता एक हैं। मौजूदा परिस्थितियों का सामना करने के लिए हमें सामूहिक रूप से संघर्ष करना होगा।

गहलोत बोले-छात्रसंघ चुनाव होने चाहिए

युवाओं को लेकर ऐसी बयानबाजी से बचना चाहिए, जिससे उनमें नाराजगी

गहलोत ने कहा- श्रीङ्गरगढ़ दौरे पर रहूंगा, किसानों से मिलूंगा

पूर्व सीएम ने कहा- सुखे से प्रभावित क्षेत्रों में किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेना चाहिए। उनकी स्थिति का आकलन कर ज़रूरत के अनुसार राहत और सहायता उपलब्ध करवाना सरकार की जिम्मेदारी है। मैं बुधवार (14 अक्टूबर) को श्रीङ्गरगढ़ में सूखा प्रभावित किसानों से मुलाकात करूंगा और उनकी समस्याएं जानूंगा।

नाल एयरपोर्ट पर जुटे कांग्रेस नेता

गहलोत के स्वागत के लिए नाल एयरपोर्ट पर पूर्व मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला, पूर्व मंत्री गोविन्दराम मेघवाल, पूर्व राज्य मंत्री महेंद्र गहलोत, कांग्रेस नेता अरविन्द मिठा, देहात कांग्रेस अध्यक्ष बिशनाराम सियाग और शहर कांग्रेस अध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल सहित अन्य नेता मौजूद रहे।

सीकर में पहले दिन जिला परिषद के 3 नामांकन दाखिल

एक कांग्रेस और 2 निर्दलीय फॉर्म भरे गए; पहले चरण के लिए 16 अक्टूबर लास्ट डेट

भीम प्रज्ञा न्यूज

सीकर । सीकर में पहले चरण के पंचायती राज चुनावों के लिए नामांकन प्रक्रिया आज से शुरू हो गई है। पहले दिन सीकर में 2 प्रत्याशियों ने 3 नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। यहां जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्य, सरपंच व वार्ड पंचों के चुनाव 3 चरणों में होंगे। पहले चरण के जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्य के चुनाव के लिए मंगलवार से 16 अक्टूबर तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष मोदी ने बताया कि सीकर जिला परिषद सदस्य के लिए वार्ड नंबर-11 से नरेंद्र कुमार ने निर्दलीय



और वार्ड नंबर-47 से नईम हुसैन ने कांग्रेस और निर्दलीय नामांकन दाखिल किए हैं। वहीं, पंचायत समिति मुख्यालयों पर पंचायत समिति सदस्यों के नामांकन फॉर्म भरे जाएंगे। नामांकन दाखिल करने का समय सुबह 11 बजे से 3 बजे तक रहेगा। **भाजपा और कांग्रेस ने जारी नहीं की लिस्ट**

अब तक जिला परिषद चुनाव के लिए कलेक्ट्रेट से 58 प्रत्याशियों ने फॉर्म लिए हैं। अभी तक भाजपा व कांग्रेस

लोहिया शिक्षण संस्थान की छात्रा हेमिका का राज्य स्तर पर चयन



भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़वा।

लोहिया शिक्षण संस्थान, चिड़वा की कक्षा 12वीं की प्रतिभाशाली छात्रा हेमिका पुत्री हिरा सिंह ने 70वीं जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। हेमिका ने अपनी असाधारण खेल प्रतिभा, अथक परिश्रम और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए 400 मीटर बाधा दौड़ तथा 100 मीटर बाधा दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। इसके अतिरिक्त, 400 मीटर दौड़ में रजत पदक प्राप्त कर

अपनी उपलब्धियों में एक और गौरवपूर्ण अध्याय जोड़ दिया। इस शानदार प्रदर्शन के आधार पर हेमिका का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर लोहिया शिक्षण संस्थान में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में छात्रा को पदक एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। उसकी सफलता से विद्यालय परिवार में हर्ष एवं उत्साह का वातावरण रहा। कार्यक्रम का संचालन कविता सोनी ने किया

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक जगपाल यादव, अध्यक्ष राम सिंह नेहरा, चेयरपर्सन ममता नेहरा, सचिव प्रदीप नेहरा, प्रधानाचार्या प्रमोदिनी दुबे, हिंदी माध्यम की प्रधानाचार्या प्रमिला झाड़ाड़िया, अभय सिंह बडेसरा एवं पून सिंह गजराज ने छात्रा को हार्दिक बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर समस्त विद्यालय स्टाफ एवं शारीरिक शिक्षक भवानी सिंह चौहान विद्यालय परिवार ने विश्वास व्यक्त किया कि हेमिका राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान, परिवार एवं क्षेत्र का नाम रोशन करेगी।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने चलाया स्वीप अभियान, महिलाओं को मतदान के लिए किया जागरूक

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

विधानसभा चुनावों के मद्देनजर चलाए जा रहे स्वीप कार्यक्रम के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सोमवार को जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की अधिकारियों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आने वाली महिलाओं, किशोरी बालिकाओं और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को मतदान के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया। अधिकारियों ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक वोट ज़रूरी है।



सभी पात्र महिलाओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए और दूसरों को भी मतदान के लिए प्रेरित करना चाहिए। इस दौरान उपस्थित

आधा दर्जन से अधिक अनुदानित गौशालाओं का तहसीलदार व पशुपालन विभाग के उपनिदेशक ने किया निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

क्षेत्र में संचालित आधा दर्जन से अधिक अनुदानित गौशाला का किया का मंगलवार को तहसीलदार व पशुपालन विभाग के उपनिदेशक ने औचक निरीक्षण किया।मिली जानकारी के अनुसार तहसीलदार मुकेश कुमार व पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डॉ मोहन भोगे ने राजस्थान सरकार द्वारा अनुदानित प्राप्त गौशाला का मंगलवार को निरीक्षण किया।



इस दौरान तहसीलदार व पशुपालन विभाग के उपनिदेशक

ने लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र की आठ गौशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रोहू बड़ी, कन्दलाऊ, जाजोद, नरसास, पाटोदा, बटौठ, लक्ष्मणगढ़ नन्दीशाला, लक्ष्मणगढ़ गौशाला का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। लक्ष्मणगढ़ गौशाला के निरीक्षण के दौरान गौशाला के विमल चिरागिया, श्रीराम शर्मा, सुशील जोशी, आत्माराम मिश्रा, रतन सिंह बगड़ी, श्याम सुन्दर खाट्वाले आदि मौजूद थे।

चूरू में एबीवीपी का फूट आक्रोश जेएनयू में छात्राओं के यौन उत्पीड़न मामले को लेकर किया प्रदर्शन, निष्पक्ष जांच की मांग



भीम प्रज्ञा न्यूज

चूरू । चूरू में एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में छात्राओं के कथित यौन उत्पीड़न के मामले को लेकर प्रदर्शन किया। उन्होंने निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कार्रवाई और पीड़ितों को न्याय दिलाने की मांग की। एबीवीपी के विभाग संयोजक कुलदीप सिंह जागवात ने कहा कि शिक्षण संस्थान सुरक्षित माहौल के केंद्र हैं, यौन उत्पीड़न चिंताजनक है। जिला संयोजक नरेंद्र सिंह ने राजनीतिक दबाव के बिना निष्पक्ष जांच व दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। **दोषियों पर कार्रवाई और पीड़िताओं को न्याय दिलाने की मांग -** चूरू नगर मंत्री नरेंद्र सिंह रामसरा ने छात्राओं की सुरक्षा व न्याय को सर्वोपरि बताया। उन्होंने कांग्रेस पर प्रतिक्रिया न देने का आरोप लगाते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण की बात करने वाले दलों को जिम्मेदारी निभानी होगी। प्रदर्शन में जिला छात्रा प्रमुख पूजा भांभू, भाग संयोजक वरुण शर्मा, निखिल दहिया, नगर सहमंत्री गर्व रक्षक, विवेक जांगिड़, योगेंद्र जांगिड़, हर्षवर्धन सिंह ऊंटवालिय व पारुल कंवर सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।



युवतियां ही नहीं छोटे बच्चों को भी खासे भा रहे हैं कलरफुल विलप्स

इन दिनों बाजार में विभिन्न रंगों व डिजाइनों के हेयर विलप की भरमार बनी हुई है। युवतियां अपनी पसंद व ड्रेस के साथ मैचिंग कर इन हेयर विलप का प्रयोग करना पसंद कर रही हैं।

युवतियां ही नहीं बल्कि छोटे बच्चों को भी यह कलरफुल विलप खासे भा रहे हैं। विलप्स जहां एक ओर यह बालों को बांधने के काम आते हैं वहीं आपको फैशनपरस्त दिखने में भी मदद करते हैं। कीमत में यह 10 रुपए से लेकर 50 रुपए तक मौजूद हैं। रंगों की बात करें तो रंग-बिरंगे विलप सभी को भा रहे हैं लेकिन इसी के साथ काला रंग भी खूब चलन में है। सब पर जो चल जाता है। इन दिनों युवतियां जहां विभिन्न प्रकार के आकर्षक हेयर स्टाइल अपना रही हैं। वहीं बालों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए मार्केट में विभिन्न रंगों व डिजाइनों के हेयर विलप की भरमार बनी हुई है। युवतियां अपनी पसंद व ड्रेस के साथ मैचिंग कर इन हेयर विलप्स का प्रयोग करना पसंद कर रही हैं। छोटे बच्चों को भी

यह कलरफुल विलप्स खासे भा रहे हैं। सिंपल हेयर स्टाइल में भी यदि युवतियां इन डिजाइनर हेयर विलप्स का इस्तेमाल करती हैं तो वह दिखने में बहुत खूबसूरत लगता है। इन हेयर विलप्स की खासियत यह है कि विभिन्न रंगों में मौजूद होने के कारण युवतियां व बच्चे इनका प्रयोग अपनी ड्रेस के साथ मैचिंग कर सकते हैं। छोटे बच्चों को भी यह हेयर विलप्स बहुत पसंद आ रहे हैं। कॉलेज गोटिंग गर्ल्स सूट सलवार, जींस व हर प्रकार की ड्रेस के साथ ही हेयर विलप्स का प्रयोग करना पसंद रही हैं। युवतियों का कहना है कि सिंपल हेयर स्टाइल के बावजूद भी यह विलप्स बालों का आकर्षण बढ़ा देते हैं। गर्मी से राहत के साथ फैशन के तौर पर भी इनका इस्तेमाल हो जाता है। इन विलप्स का प्रयोग यूं तो केवल छोटे बच्चों को लुभाने के लिए भी किया जाता था। लेकिन आजकल इनका प्रयोग कॉलेज जाने वाली गर्ल्स से लेकर कामकाजी युवतियां तक करना पसंद कर रही हैं। इसका मुख्य कारण इन विलप्स का विभिन्न रंगों और डिजाइनों में उपलब्ध है। इनकी कीमत 20 रुपए पेयर के हिसाब से शुरू होती है। युवतियां अपनी ड्रेस की मैचिंग के विलप्स लेती हैं।



2 बीएचके घर में स्पेस को मैक्सिमाइज करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

यूं तो 2बीएचके घर में स्पेस एक फैमिली के लिए पर्याप्त होता है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने स्पेस को मैक्सिमाइज करना चाहते हैं तो इसके लिए कुछ तरीके अपनाए जा सकते हैं।

आजकल शहरों में लोग 2बीएचके घर में रहना अधिक पसंद करते हैं। एक स्मॉल फैमिली के लिए 2बीएचके घर का स्पेस पर्याप्त माना जाता है। लेकिन जब आपके घर में बच्चे बड़े होने लगते हैं या फिर फैमिली बढ़ने लगती है तो ऐसे में स्पेस कम होने लगता है। हालांकि, इस स्थिति में हर किसी के लिए बड़ा घर लेना उनके बजट में नहीं होता है। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप अपने घर के स्पेस को ही मैक्सिमाइज करें। अधिकतर लोगों को यह लगता है कि वे अपने घर को मैक्सिमाइज किस तरह करें। ऐसा करना मुश्किल नहीं है, बस आपकी अप्रोच सही होनी चाहिए। अगर आप अपने 2बीएचके घर को मैक्सिमाइज करना चाहते हैं तो ऐसे में आपको बस कुछ छोटे-छोटे टिप्स को फॉलो करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही आसान

टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने 2बीएचके घर के स्पेस को आसानी से मैक्सिमाइज कर सकते हैं-

वर्टिकल स्पेस का करें इस्तेमाल

अगर आप अपने 2बीएचके होम के स्पेस को अधिक मैक्सिमाइज करना चाहते हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप वर्टिकल स्टोरेज सॉल्यूशन पर विचार करें। इससे आपका काफी सारा सामान आसानी से आर्गनाइज हो जाएगा और आपको स्पेस प्रोब्लम का सामना नहीं करना पड़ेगा। वर्टिकल स्पेस का इस्तेमाल करने के लिए आप वॉल-माउंटेन शेल्फ से लेकर कैबिनेट व हैंगिंग आर्गनाइजर आदि का इस्तेमाल करें। इससे आपके लिए अपनी किताबों से लेकर अन्य जरूरी आइटम्स व डेकोरेटिव आइटम्स को रखने में काफी आसानी होगी।

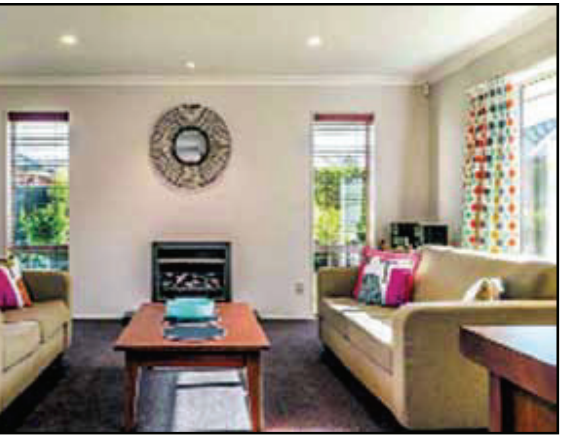
मल्टीपर्स फर्नीचर में करें इनवेस्ट

कई तरह के फर्नीचर की जरूरत हम सभी को अपने घर में पड़ती ही है। लेकिन कई फर्नीचर पीस काफी सारा स्पेस लेते हैं, जिसकी वजह से 2बीएचके घर में भी स्पेस प्रोब्लम होती है। इसलिए आप मल्टीपर्स व स्पेससेविंग फर्नीचर

में इनवेस्ट करने का प्लॉन करें। मसलन, आप घर में अलग-अलग सोफा व बेड खरीदने की जगह सोफा कम बेड का इस्तेमाल करें। इसी तरह, फोल्डेबल बेड का उपयोग करें जिन्हें दिन के दौरान आसानी से स्टोर करके रखा जा सकता है। इसके अलावा, आजकल एक्सटेंडेबल डाइनिंग टेबल का चलन है, जिन्हें आसानी से एक्सटेंड किया जा सकता है।

कॉर्नर का भी करें इस्तेमाल

यह स्पेस को मैक्सिमाइज करने का एक स्मार्ट तरीका है, जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं। घर के अलग-अलग कोनों को स्टोरेज व होम डेकोर के लिए काम में लिया जा सकता है। अगर आप चाहें तो कॉर्नर में मल्टीपर्स अलमारी या वॉल माउंटेन शेल्फ बनवाएं। इससे आप काफी सामान आसानी से रख पाएंगी। इसी तरह, अपने लिविंग एरिया के लिए एल शोप के सोफे या डेस्क का उपयोग करने पर विचार करें। इससे लिविंग एरिया का सेंट्रल स्पेस आसानी से बच जाता है और घर अपेक्षाकृत अधिक बड़ा व स्पेशियस फील होता है।



इन टिप्स की मदद से 2 बीएचके घर का करें न्यू मेकओवर, हर कोई करेगा आपकी तारीफ

हर इंसान का सपना होता है कि उसका एक अपना घर हो, लेकिन दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों में अपना घर लेना किसी मुश्किल काम से कम नहीं है। बड़े शहरों में लोग जड़ से अपना मकान तो नहीं ले पाते हैं लेकिन रहने के लिए प्लैट जरूर ले लेते हैं। ऐसे में घर छोटा हो या फिर बड़ा हर को सुंदर बनाना हर कोई चाहता है। अगर आप भी अपने घर को खूबसूरत बनाना चाहते हैं तो याद रखें हमेशा अपने घर को साइज के अनुसार डेकोरेट करें।

अगर आपका घर 2 बीएचके का है तो इसे आप रॉयल लुक दे सकते हैं। लेकिन इसके लिए आपको स्मार्ट डेकोर टिप्स को अपनाना होगा। इस लेख में हम आपको 2 बीएचके प्लैट को डेकोरेट करने के लिए स्मार्ट टिप्स के बारे में बताएंगे। तो देर किस बात करी आइए जानते हैं घर को खूबसूरत बनाने के लिए आसान और असरदार टिप्स।

दीवारों का कलर
घर की खूबसूरती बढ़ाने के लिए दीवारों का कलर बहुत जरूरी होता है। क्योंकि घर की सुंदरता दीवारों के कलर से आती है। दीवारों पर लाइट कलर का पेंट करना से घर पर बड़ा और ब्राइट नजर आता है। खासकर हॉल की दीवारों का पेंट लाइट कलर का करवाएं। 2 बीएचके घर को रॉयल लुक देने के लिए आप क्रीम कलर का पेंट करवाएं।

ओपन किचन
इन दिनों ओपन किचन का काफी ट्रेंड है। आप भी घर को रॉयल लुक देने के लिए ओपन किचन बनवा सकते हैं। ओपन किचन का सबसे बड़ा फायदा होता है कि इस जगह का कम यूज होता है। वहीं इससे घर को मॉडर्न लुक भी मिलता है। अगर आप ओपन किचन बनवा रहे हैं तो किचन की टाइल ब्लैंक या फिर ब्राउन कलर की लें। इसके अलावा किचन की अलमारी भी टाइल से मैचिंग कलर का बनवा सकते हैं। इससे आपका किचन

खूबसूरत नजर आएगा। **लाइटिंग**
घर की खूबसूरती बढ़ाने के लिए लाइटिंग बहुत जरूरी होता है। रॉयल लुक के लिए घर की लाइटिंग बेहद जरूरी होती है। अगर यह खराब हो गई तो सारा लुक खराब हो जाता है। इन दिनों मार्केट में बेहद खूबसूरत और डिजाइनर लैंप और लाइट मिल जाती है जिसका इस्तेमाल कर आप अपने घर को खूबसूरत बना सकते हैं। लिविंग रूम में स्ट्रिंग लाइट लगाने से घर की खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं।

फर्नीचर
घर की असली खूबसूरती फर्नीचर लगाने के बाद ही आती है। 2 बीएचके घर के लिए आपको अपना फर्नीचर स्मार्ट तरीके से खरीदना चाहिए। अगर आप फर्नीचर खरीदने जाएं तो इस बात का ध्यान रखें कि आपको घर के लिए ऐसे फर्नीचर लेना है जो कि ज्यादा स्पेस न लें। वहीं इन दिनों शहरों में कम जगह के लिए सोफा कम बेड का काफी चलन है। ऐसे में आप भी इस सोफे सेट के बारे में सोच सकती हैं।

इंडोर प्लांट्स
घर को खूबसूरत बनाने के लिए शो पीस की जगह आप इंडोर प्लांट्स का इस्तेमाल करें। इससे न केवल घर की खूबसूरती बढ़ेगी बल्कि यह आपकी सेहत के लिए भी काफी अच्छा माना जाता है। इंडोर प्लांट्स को आप डाइनिंग रूम या फिर लिविंग रूम में रख सकती हैं।



अपने बगीचे में बोएं ये हरे साग के बीज

पालक को कैसे उगाएं

- पालक भारत में सबसे लोकप्रिय पत्तेदार सब्जी है। पालक के पौधे तेजी से बढ़ते हैं, इसलिए बीज अंकुरित होने के 2-3 सप्ताह के भीतर वे कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। कटाई करते समय, ऐसे पौधों की दृढ़, जिनमें कम से कम पांच से छह स्वस्थ हरी पत्तियां उगी हों जो तीन से चार इंच लंबी हों।
- बीज बोने से एक सप्ताह पहले मिट्टी को खाद से तैयार करें
- बीज को मिट्टी में आधा इंच गहराई तक बोएं। उन्हें बहुत ज्यादा गहराई तक न बोएं। इससे बीज नहीं उगेंगे।
- बीजों के बीच 3 से 4 इंच का अंतर रखें।
- बीजों के अंकुरण को सुनिश्चित करने के लिए मिट्टी को हमेशा नम रखें। अधिक पानी न डालें। सुबह पानी दें।
- पौधों को 2 से 3 इंच तक काटते रहें।
- कीटों और बीमारियों पर नजर रखें।
- पालक को अंकुरित न होने दें। पौधों को तुरंत उखाड़ दें।
- मिथी की कटाई 45 से 50 दिन में करें।

मेथी को कैसे उगाएं

- मेथी एक बहुत ही सेहतमंद हरी पत्तेदार सब्जी है।
- बीज बोने के 3-4 दिन के भीतर पौधे कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं।

- तैयार हुई पत्तियों और तने को फिर से उगाने के लिए काट सकते हैं।
 - अच्छी फसल के लिए अच्छा वेंटिलेशन और जल निकासी प्रदान करें।
- सरसों का साग कैसे उगाएं?**
- सरसों के पत्तों को उनके तीखे स्वाद के लिए पसंद किया जाता है। पत्तियों को बुवाई के 20-30 दिन बाद काटा जा सकता है। आप पत्तियों को पकने भी दे सकते हैं। इसके बाद उनका उपयोग कर सकते हैं।
 - सबसे पहले आप पॉटिंग मिक्स तैयार करें। इसके लिए आप 60 प्रतिशत साधारण मिट्टी, 20 प्रतिशत रेत और 20 प्रतिशत वर्मीकॉपोस्ट या गोबर की खाद मिला सकते हैं।
 - गमले में पॉटिंग मिक्स भरकर इसे ऐसी जगह पर रखें जहां धूप आती हो।
 - अब आप गमले में सरसों के बीज डाल दें।
 - ऊपर से हल्की-हल्की मिट्टी डालें।
 - स्प्रेडर करके पानी दें ताकि बीज अपनी जगह पर ही रहें।
 - बीजों को 3 से 4 दिन में ही आप देखेंगे कि बीजों में से पौधे निकलने लगे हैं।

माइक्रो ग्रीन्स को मिट्टी में कैसे उगाएं?

- माइक्रोग्रीन्स उगाने के लिए सबसे पहले ऐसी जगह चुनें

- जहां आपको भरपूर धूप मिल सके। इसे ग्रीन लाइट में भी उगाया जा सकता है।
- तीन भाग कम्पोस्ट और एक भाग वर्मीक्यूलाइट मिलाएं। सुनिश्चित करें कि दोनों में से किसी भी पदार्थ का कोई ढेर या गांठ न हो।
- मिश्रण को एक उथले कंटेनर या बीज ट्रे में डालें और इसे मिट्टी से भर दें।
- पानी अच्छी तरह से डालें ताकि मिट्टी नम रहे।
- इसके बाद बीजों को मिट्टी की सतह पर छिड़कें।
- अब उन्हें मिट्टी की एक ओर परत से ढककर मिट्टी को नम करें।
- नमी बनाए रखने के लिए कंटेनर को साफ प्लास्टिक बैग या चादर से ढक दें।
- यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिदिन जांच करें कि मिट्टी नम बनी रहे।
- कंटेनरों को अच्छे वायु संचार वाले स्थान पर रखें।
- जब बीज अंकुरित हो जाएं तो प्लास्टिक हटा दें।
- खरपतवार को हटा दें और पौधों को कम कर दें ताकि केवल सबसे मजबूत पौधे ही बचे रहें।
- पौधों को पानी और खाद देना जारी रखें।
- जब पौधे 1-2 इंच लंबे हो जाएं तो कटाई कर लें।
- यदि आप इन्हें तुरंत नहीं खाते हैं तो इन्हें फ्रिज में रखें।
- इसके अलावा आप अपने बगीचे में चुकंदर, मूली, सलाद के पत्ते और गाजर जैसी सब्जियां के बीज लगा सकती हैं।



अक्सर बागवानी करने वालों को यह समझ नहीं आता है कि कौन की सब्जियां अपने बगीचे में लगाएं। अगर आप भी इस बात को लेकर परेशान हैं कि कौन सी वेजिटेबल लगाएं, तो यह आर्टिकल आपके लिए हेल्पफुल साबित हो सकता है।

केमिकल फ्री सब्जियां खाने के लिए अक्सर लोग अपने बगीचे में अलग-अलग प्रकार की सब्जियां बोते हैं। लेकिन कई बार लोगों को यह समझ नहीं आता कि वह अपने घर के बगीचे में कौन सी हरी सब्जियां लगाएं। पत्तेदार सब्जियां ज्यादा पौष्टिक होती हैं और दूसरी सब्जियों की अपेक्षा इन्हें उगाना काफी आसान होता है। ज्यादातर हरी सब्जियां अपेक्षाकृत कम ठंडे मौसम में उगाई जा सकती हैं। अगर आप अपने बगीचे में कम समय में सब्जियां उगाकर खाना चाहते हैं, तो यहां हम आपको बताने जा रहे हैं, कि आप इन बीजों को कैसे बो सकती हैं।

शहर के वार्ड संख्या 43 सेही वर
अभियान की शुरुआत की
गई। वार्ड पार्षद संगीता
शेखावत ने सोमवार को
राजकीय उच्च माध्यमिक
विद्यालय के सामने स्वयं झाड़ा
लगाकर अभियान का
शुभारंभ किया और वार्डवासियों
को स्वच्छता बनाए रखने की
शपथ दिलाई। कार्यक्रम के
दौरान पार्षद ने सफाई
व्यवस्था में मुख्य भूमिका
निभाने वाले सफाई कर्मियों का
सम्मानित किया। उन्होंने क
राष्ट्रसेवक हैं, जिनका सम्मान
डॉ. जगदीश प्रसाद शर्मा सहित
कार्यवासी उपस्थित रहे। सभी ने
कचरा तय स्थान पर ही डालने



गीता देवी ने नगरपालिका में पहली बार पार्षद बनकर सियासी ताकत का कराया अहसास

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

बाबूलाल सैनी । साधारण परिवार की नाम मात्र की कम पढ़ी-लिखी महिला ने लक्ष्मणगढ़ नगरपालिका में पहली बार पार्षद बनकर अपनी सियासी ताकत का अहसास कराया। जी हां हम बात कर रहे हैं हाल में हुए नगरपालिका चुनाव में वार्ड संख्या 20 से विजयश्री हासिल करने वाली श्रीमती गीता देवी सैनी की। जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी की टिकट पर चुनाव लड़कर 116 मतों से जीत हासिल की। सियासी दांव-पेंच से दूर रहने वाले साधारण परिवार की श्रीमती गीता देवी के पति भी मात्र 8वीं कक्षा तक ही पढ़े लिखे हैं। तथा वर्तमान में सालापर की एस्बीएम होटल में मैनेजमेंट देखते हैं। पति-पत्नी दोनों नाममात्र के शिक्षित होने के वावजूद अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने में कामयाब रहे। इनकी सबसे बड़ी पुत्री सुमन सीनियर



सेकेंडरी तक पढ लिखी है। सुमन के पति राकेश अपना स्वयं का सीकर में व्यवसाय करते हैं जबकि छोटी पुत्री सोनू चार्टर्ड एकाउंटेंट व इनके पति सीकर निवासी संजय भी चार्टर्ड एकाउंटेंट है तथा दोनों पति-पत्नी गुडगांव में मैरियट ग्रुप में कार्यरत हैं। श्रीमती गीता देवी के बड़े पुत्र राजेंद्र

प्राइवेट बैंक में ब्रांच मैनेजर व छोटे पुत्र सुनील प्राइवेट कंपनी में सीनियर एकाउंटेंट है। श्रीमती गीता देवी के सुपुत्र राजेंद्र 2021 के नगरपालिका चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के रुप में अपना भाग्य आजमा चुके हैं लेकिन सफलता नहीं मिली । इस बार 2026 के निकाय चुनाव में वार्ड लाटरी में ओबीसी महिला होने पर श्रीमती गीता देवी ने स्वयं चुनाव लड़ने का मानस बनाया तो वार्ड के नागरिकों ने भाजपा से चुनाव लड़ने का आग्रह किया जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार करते हुए भाजपा की टिकट के लिए आवेदन किया। भाजपा ने चुनाव में पार्टी की टिकट देकर मैदान में उतारा तो शानदार जीत के साथ भाजपा की पार्षद बनी। अपनी जीत को वाई की जीत बताते हुए जीत वार्ड के नागरिकों को समर्पित करते हुए वार्ड की प्रमुख समस्याओं को प्राथमिकता के साथ समाधान का विश्वास दिलाया है।

पीएमश्री श्रीमती चमेली देवी बुहाना बनी एथलेटिक्स छात्र वर्ग में जिला चैंपियन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

श्री खेमका इंटरनेशनल स्कूल, बुहाना में 70वीं जिला स्तरीय 14 वर्षीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता संपन्न हुई। 14 वर्षीय छात्र प्रतियोगिता में 5 गोल्ड एवं 2 सिल्वर मेडल के साथ 26 अंक लेकर पीएमश्री श्रीमती चमेली देवी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय (अंजेजी माध्यम), बुहाना प्रथम स्थान प्राप्त कर चैंपियन रही। 15 अंक प्राप्त कर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खेड़ना द्वितीय तथा 13 अंक प्राप्त कर नोबल स्कूल, देवलावास तृतीय स्थान पर रही। 14 वर्षीय छात्र प्रतियोगिता में के.एस. स्कूल, बगड़ प्रथम, सगराइज पब्लिक स्कूल बुहाना द्वितीय तथा विद्याश्रम पिलानी तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता के



समापन समारोह के विशिष्ट अतिथि पीएमश्री बुहाना के प्राचार्य श्री बलवान सिंह तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता खेमका इंटरनेशनल स्कूल, बुहाना के प्राचार्य श्री मनमोहन शर्मा ने की। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में हवा सिंह

भोपालपुरा, अशोक स्वामी, भीखाराम, सहाराम, सत्यपाल, महेश मान, यादराम यादव, कोच दिलवर भालौठिया, गोपी शंकर, सुंदरपाल, कविता, निशा सांवल, कमला, सोनिका आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अटेली में पांच दिन से बेसहारा घूम रहा अज्ञात युवक, आश्रय दिलाने की उठी मांग प्रशासन और सामाजिक संगठनों से युवक की मदद के लिए आगे आने की अपील

भीम प्रज्ञा न्यूज़

मंडी अटेली / (मनोज बुलाण)। अटेली कस्बे में पिछले पांच दिनों से करीब 20 से 24 वर्षीय एक अज्ञात युवक बेसहारा हालत में घूम रहा है। युवक की स्थिति देखकर स्थानीय लोगों को उसकी चिंता सता रही है। लोगों का कहना है कि युवक को भोजन और सुरक्षित आश्रय की जरूरत है, लेकिन अभी तक उसे उचित सहायता मिलती नजर नहीं आ रही है। युवक के कपड़े फटे और मेले हैं तथा पैरों में टूटी हुई चप्पल है। उसके पास एक पुराना, फटा हुआ पीटू बैग भी है। वह न तो अपना नाम-पता बता पा रहा है और न ही लोगों से ठीक से बातचीत करता है। कोई व्यक्ति उसे खाना दे देता है तो वह खा लेता है, अन्यथा भूखा ही घूमता रहता है। रात के समय वह सड़क किनारे सोने को मजबूर है। स्थानीय लोगों के अनुसार, युवक सुबह-शाम पुराने बस



स्टैंड के आसपास घूमता दिखाई देता है। जब उससे उसका नाम या पता पूछा जाता है तो वह केवल हल्का-सा मुस्करा देता है। उसकी एक खास बात यह भी है कि वह हाथ में कागज का छोटा-सा टुकड़ा रखता है और उसे मोबाइल की तरह उंगलियों से टच करता रहता है। कस्बे के जागरूक लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि युवक की पहचान करवाकर उसे सुरक्षित आश्रय स्थल तक पहुंचाया जाए। जरूरत पड़ने पर उसकी चिकित्सकीय जांच करवाकर उचित

देखभाल की व्यवस्था भी की जाए, ताकि उसे सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन मिल सके। लोगों ने सामाजिक संगठनों से भी मानवीय आधार पर आगे आने की अपील की है। उनका कहना है कि बेसहारा और जरूरतमंद लोगों की सहायता करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। ऐसे में प्रशासन और सामाजिक संस्थाओं को मिलकर युवक की मदद करनी चाहिए, ताकि उसे सड़क पर भटकने और रात गुजारने की मजबूरी से राहत मिल सके।

हरियाणा राज्य महिला आयोग की वाइस चेयरपर्सन मीना परमार ने किया शिक्षण संस्थाओं का दौरा

हरियाणा राज्य महिला आयोग छात्राओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए प्रतिबद्ध- मीना परमार महिला आयोग वाइस चेयरमैन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण)। हरियाणा राज्य महिला आयोग की वाइस चेयरपर्सन मीना परमार ने मंगलवार को जिला महेंद्रगढ़ के विभिन्न शिक्षण संस्थानों का निरीक्षण कर शिक्षा, मूलभूत सुविधाओं और छात्राओं की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और निर्धारित समय-सीमा में सभी खामियों को दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान वास्तव व आयोग के लिए सर्वोपरि है। वाइस चेयरपर्सन ने गांव कांटी के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गांव खेड़ी के राजकीय कन्या उच्च विद्यालय, खेड़ी के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तथा राजकीय महिला महाविद्यालय, अटेली का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संस्थानों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, छात्राओं की सुरक्षा, स्वच्छता और अन्य आवश्यक व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने

संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से बातचीत कर व्यवस्था की समीक्षा की तथा छात्राओं को सुरक्षित और सुविधाजनक शैक्षणिक वातावरण



उपलब्ध करवाने पर जोर दिया। मीना परमार ने कहा कि महिलाओं और बेटियों को सुरक्षित माहौल उपलब्ध करवाना संबंधित विभागों और शिक्षण संस्थानों की जिम्मेदारी है तथा इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आयोग का उद्देश्य है कि छात्राएं बिना किसी भय के शिक्षा प्राप्त कर सकें और उन्हें आवश्यक सुविधाओं के साथ-साथ अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उचित व्यवस्था भी मिले। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संस्थानों में पाई गई कमियों को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया

जाए। उन्होंने कहा कि निरीक्षण का उद्देश्य व्यवस्थाओं में वास्तविक सुधार सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर राजकीय महिला महाविद्यालय, अटेली के प्राचार्य डॉ. प्रवीण कुमार, संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी सरोता शर्मा, महिला धाना की एसएचओ मंजूषा, प्राचार्य अनिता यादव, मुख्याध्यापक जोगिंदर शास्त्री, आंगनवाड़ी सुपरवाइजर प्रियंका सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। बॉक्सिंग प्रतियोगिता में जीत हासिल करने वाली छात्राओं को पुरस्कार व प्रशंसा पत्र दिए गए।

सूरजगढ़ में पीएम आवास योजना के लाभ से अब भी कई परिवार वंचित पात्र परिवारों की सुध ले नगरपालिका

सूरजगढ़ प्रेरक सामाजिक संस्था सर्व समाज समरसता

भीम प्रज्ञा न्यूज़

शश एवं सर्वांगीण विकास समिति सूरजगढ़ की प्रेरणा से भामाशाह रामरख बाकोलिया ने कस्बे के अनुसूचित समाज की जरूरतमंद बेटी मीना धाणक को इकवान सौ रुपए देकर सहयोग किया गया। सर्व समाज समरसता एवं सर्वांगीण विकास समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश सेवदा जो तीन दशकों से सामाजिक सेवा को समर्पित है, ने बताया कि उक्त परिवार जिसमें कमाने वाला कोई नहीं है। परिवार का मुखिया तिरासी वर्षीय वृद्ध फूलचंद धाणक है जिसके पुत्र नहीं है, पत्नी भी कई वर्षों पहले चल बसी मात्र एक विवाहिता पुत्री है जिसे भी पति ने मार पीट कर घर से निकाल दिया है, उसके भी तीन पुत्रियां और एक नाबालिग पुत्र है। घर में कमाने वाला कोई नहीं है। परिवार की स्थिति बहुत ही नाजुक है। यह छह प्राणी कच्चे टिन सेड में रहते है जिसके सामने की दीवार गत



बरसात में गिर चुकी है। सेवदा ने बताया कि कस्बे में कई परिवार जिनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है उन्हें लाभ दिलाने में संबंधित कर्मचारियों एवं अधिकारियों की नकारा कार्यशैली और भ्रष्टाचारी नीति के चलते, केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों को नहीं मिल पाता है और इसी वजह से गरीब लोग ऊपर नहीं उठ पाते हैं। आज भी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लोकसेवकों की मनमर्जी और भ्रष्टाचारी प्रवृति ही किसी गरीब के सामाजिक पतन का अक्सर कारण बनती



है इसके लिए सामाजिक कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों को सामूहिक रूप से बिना भेदभाव के काम करने की आवश्यकता है और भ्रष्ट लापरवाह लोकसेवकों पर कड़ी नजर रखने की आवश्यकता है। सर्व समाज समरसता एवं सर्वांगीण विकास समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश सेवदा और डॉ.भोमराव अंबेडकर समिति सचिव राधेश्याम चिरालिया, अध्यक्ष रतन लाल चेतीवाल, बाबूलाल बड़गुजर, फूलचंद फुलवारिया, महावीर बाकोलिया, सज्जन कटारिया, छोटेलाल गजराज, लक्ष्मण बाकोलिया ने चेयरमैन नरेंद्र सिंह शेखावत से

मीना पुत्री फूलचंद धाणक को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की पुरजोर शब्दों में मांग की है। उन्होंने बताया कि फूलचंद धाणक परिवार जो वास्तव में प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए पात्र है मगर विडम्बना है कि पालिका ने आज तक इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया है। दोनों संस्थाओं ने वर्तमान पालिका अध्यक्ष नरेंद्र सिंह शेखावत से मांग की है कि वह जरूरतमंद पीड़ित परिवार की आगे आकर पीएम आवास योजना में लाभ दिलाने में सहभागी बने ताकि परिवार को पक्की छत मिल सके।

राजस्थान कॉलेज ऑफ एजुकेशन जखराना का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत, 109 विद्यार्थियों ने मेरिट में बनाई जगह

राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय अलवर ने जारी किया परिणाम; चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव ने मेरिटधारी विद्यार्थियों का माला पहनाकर किया सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जखराना।

जखराना स्थित राजस्थान कॉलेज ऑफ एजुकेशन ने बीए-बीएड एवं बीएससी-बीएड परीक्षा परिणाम 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए शत-प्रतिशत सफलता हासिल की है। कॉलेज के सभी छात्र-छात्राएं परीक्षा में उत्तीर्ण हुए, वहीं 109 विद्यार्थियों ने मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि से कॉलेज परिसर में खुशी और उत्साह का माहौल है। राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर की ओर से जारी परीक्षा परिणाम में कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों की इस सफलता को उनकी कड़ी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का परिणाम माना जा रहा है।

कार्यक्रम में विद्या भारती पब्लिक स्कूल, निजामपुर की वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव, मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. पीयूष यादव, डायरेक्टर रविन्द्र यादव, डायरेक्टर डॉ. मुकेश कुमार यादव, पीजी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. लोकेश कुमार, आईटीआई प्राचार्य सतीश कुमार, व्याख्याता पवन कुमार, वीरेंद्र सिंह, सुरेंद्र कुमार, अमित यादव, सुमन शर्मा और किरण बाला सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कॉलेज के शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम और 109 विद्यार्थियों के मेरिट में स्थान प्राप्त करने पर विद्यार्थियों, अभिभावकों और स्टाफ सदस्यों में खुशी की लहर है। संस्थान प्रबंधन ने इसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के समर्पण का परिणाम बताते हुए भविष्य में भी शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

मेरिटधारी विद्यार्थियों का माला पहनाकर किया सम्मान

परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में संस्थान की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्थान के

चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव ने मेरिट में स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया और उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर चेयरमैन राजकुमार यादव ने कहा कि विद्यार्थियों की

यह उपलब्धि संस्थान के लिए गौरव का विषय है। शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम और 109 विद्यार्थियों का मेरिट में स्थान प्राप्त करना शिक्षा के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी इसी लगन और मेहनत के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

प्राचार्य ने विद्यार्थियों और स्टाफ को दी बधाई

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुभाष सिंह ने विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस सफलता में विद्यार्थियों के निरंतर प्रयासों के साथ शिक्षकों के मार्गदर्शन और समस्त स्टाफ को महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों को शुभकामनाएं दीं।

टोहाना में धान की खरीद में अत्यवस्थाओं से किसान परेशान, नमी के नाम पर कम भाव देने का आरोप : पूर्व विधायक सरदार निशान सिंह

टोहाना के पूर्व विधायक टोहाना एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने उठाए खरीद व्यवस्था पर सवाल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

विजय रंगा(ब्यूरो चीफ) । धान की खरीद में आ रही परेशानियों और नमी के नाम पर कम भाव मिलने की शिकायतों को लेकर किसानों में रोष है। मंडियों में खरीददारों की कमी, खरीद प्रक्रिया की धीमी गति और बारिश के बाद धान में नमी बढ़ने के कारण किसानों को अपनी फसल बेचने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। निशान सिंह ने कहा की हरियाणा के मुख्यमंत्री पंजाब में जाकर हरियाणा का उदाहरण देते हैं की वहाँ सभी फ़सल एम एस पी



पर बिकर रहा जबकि वास्तविकता आप सभी को पता हैं की हरियाणा के किसान का धान कैसे मंडियो मे ओणे पीने दामों पर बिकर रहा और सरकार द्वारा जो टोहाना मे 28.31 किंवटल की लिमिट लगाई हुई है वह भी गलत है क्योंकि प्रति

एकड़ चालीस मे किंवटल भी धान निकलता हैं तो किसान उसे कहाँ बेचे।सरदार निशान सिंह ने धान खरीद व्यवस्था को लेकर किसानों की समस्याओं पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए मंडियों में इंतजार करना पड़ रहा है। बारिश और नमी का हवाला देकर कम भाव मिलने की शिकायतें किसानों की परेशानी बढ़ा रही है। खरीददारों की कमी से बढ़ी परेशानी- किसानों के अनुसार, मंडियों में खरीद एजेंसियों और राइस मिलर्स की पर्याप्त भागीदारी नहीं होने के कारण धान की खरीद प्रभावित हो रही है। किसान अपनी फसल लेकर मंडियों में पहुंच रहे हैं, लेकिन समय पर खरीद नहीं होने से उन्हें इंतजार करना पड़ रहा है। मौसम की मार और खरीद में देरी से किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। धान के भाव को लेकर किसानों में चिंता- किसानों के अनुसार, मंडी में पीआर-14 धान के भाव 2150 से 2350 रुपये प्रति किंवटल तथा पीआर-26 धान के भाव 2050 से 2250 रुपये

प्रति किंवटल तक बताए जा रहे हैं। किसानों का आरोप है कि नमी का हवाला देकर उनकी फसल के कम भाव लगाए जा रहे हैं। हाइब्रिड धान की खरीद को लेकर भी किसानों ने अनिश्चितता की शिकायत की है। नमी की जांच और पारदर्शी खरीद व्यवस्था की मांग- सरदार निशान सिंह ने कहा कि धान में नमी की जांच निर्धारित मानकों के अनुसार होनी चाहिए और किसानों को खरीद के नियमों की स्पष्ट जानकारी मिलनी चाहिए। खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना जरूरी है, ताकि किसानों को अपनी फसल बेचने में अनावश्यक परेशानी न हो। उन्होंने मंडियों में खरीद व्यवस्था सुचारु करने, खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने और किसानों की शिकायतों का समाधान करने की आवश्यकता पर जोर दिया। किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य मिले और उन्हें मंडियों में लंबे समय तक इंतजार न करना पड़े, इसके लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

सीता स्वयंवर में श्रीराम ने तोड़ा शिव धनुष, नगर में निकली भव्य राम बारात

परशुराम-राम व लक्ष्मण संवाद पर तालियों से गूंज उठा पंडाल

रामायण में छिपा है जीवन का सार: बबली

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़वा।

विजय रंगा.(ब्यूरो चीफ) । टोहाना की प्रसिद्ध सैनी श्रीराम नाटक क्लब की ओर से आयोजित रामलीला में सीता स्वयंवर, भगवान श्रीराम द्वारा शिव धनुष भंग तथा नगर में राम बारात का भव्य आयोजन किया गया। राम बारात में मुख्यरूप से पूर्व कैबिनेट मंत्री देवेंद्र सिंह बबली, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के भाई ज्ञान सिंह मान, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा, जिला महामंत्री विकास लालोड़ा, नप चेयरमैन नरेश बंसल, वाईस चेयरपर्सन नीरू सैनी, संजय रेवड़ी, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कमल चौधरी, मार्किट कमेटी चेयरमैन जगजीत हुड्डा, संकेत गैंगर आदि शामिल हुए



जिनका रामलीला कमेटी के सदस्यों ने प्रधान बलदेव सैनी की अध्यक्षता में फूलों की माला पहना कर स्वागत किया। बारात नगर के मुख्य बाजारों भाटिया नगर रोड, सैनी चौक, कृष्णा मार्केट, लक्ष्मड़ मार्केट, अग्रसेन चौक, भगवान वाल्मीकि चौक, शहीद चौक से होती हुई मंच पर पहुंची। आज की रामलीला में सीता स्वयंवर, परशुराम-राम व लक्ष्मण के बीच हुए संवाद ने विशेष आकर्षण पैदा किया। कलाकारों के प्रभावशाली संवादों पर पूरा पंडाल तालियों से

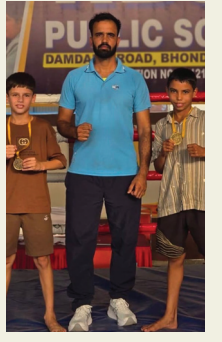
गूंज उठा। सीता स्वयंवर के दृश्य में विभिन्न राजाओं द्वारा शिव धनुष उठाने के प्रयास के बाद भगवान श्रीराम ने गुरु विश्वामित्र की आज्ञा से धनुष उठाकर उसका भंग कर दिया। धनुष टूटते ही पंडाल जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। इसके बाद श्रीराम और माता सीता के विवाह प्रसंग का सुंदर संचन किया गया। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री देवेंद्र बबली ने संदेश दिया कि रामायण में जीवन का सार छिपा है। रामायण हमें मर्यादा, सत्य, त्याग, प्रेम और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है।

टोहाना के बजरंग बॉक्सिंग अकादमी के दो खिलाड़ियों ने किया गोल्ड मेडल पर कब्जा

सीबीएसई स्कूल नेशनल गेम बॉक्सिंग चैंपियनशिप में जीते गोल्ड मेडल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

विजय रंगा.(ब्यूरो चीफ) । टोहाना के मुक्केबाजों ने सी बी जीते गोल्ड मेडल एस ई स्कूल नेशनल गेम बॉक्सिंग चैंपियनशिप में दो गोल्ड मेडल प्राप्त कर इतिहास रचा । जानकारी देते हुए बजरंगबली बॉक्सिंग अकैडमी संचालक विनय वर्मा और बॉक्सिंग कोच महेश कुमार डोंगरा ने बताया कि 7 से 11 अक्टूबर को गुरुग्राम में आयोजित हुई सीबीएसई स्कूल नेशनल गेम में अंडर 14 में 30 किलो ग्राम में सहज वीर ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया और वहीं 34 किलोग्राम में अक्ष डोंगरा ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। वहीं बच्चों ने अपनी इस जीत का श्रेय अपने कोच महेश कुमार डोंगरा और संचालक विनय वर्मा को दिया । वहीं एकेडमी पहुंचने पर बच्चों का फूल मालाओं के साथ मिठाईयां खिलाकर जोरदार स्वागत किया गया । बजरंगबली बॉक्सिंग अकादमी के संचालक विनय वर्मा ने कहा की हम आशा करते हैं इसी तरह यह दोनों बॉक्सर्स आगे भी अपने गांव, माता-पिता, क्लब, हरियाणा का नाम रोशन करेंगे वही इस मौके पर टोहाना की बॉक्सिंग के पितामह रणधीर सिंह, पूर्व बॉक्सिंग कोच रणवीर सिंह, D.S.P जय भगवान ओलीपियन अर्जुन अवस्थी, बजरंग मॉडल स्कूल प्रिंसिपल अंजू वर्मा, बॉक्सिंग कोच ज्योति वर्मा,बॉक्सिंग कोच अनिल बिश्नोई आदमपुर, बॉक्सिंग कोच राबिन बिश्नोई सिरसा, संदीप बिश्नोई टरवा, बॉक्सिंग कोच आशीष कुमार डोंगरा, बॉक्सिंग कोच प्रदीप कुमार फतेहबाद, बॉक्सिंग कोच परमवीर सैनी, बॉक्सिंग कोच अनिल नैन कालवन, बॉक्सिंग कोच रिंतू रंगा, बॉक्सिंग कोच जर्नेल सिंह, और गुड एम आयुर्वेद के संस्थापक भूपण कुमार डोंगरा व शहर के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने बच्चों की इस जीत पर बधाई दी





गौतम गंभीर तानाशाह हैं, मौका न मिलने पर वैभव सूर्यवंशी के कोच का फूटा गुस्सा

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सितारे वैभव सूर्यवंशी टी20 इंटरनेशनल में डेब्यू तो कर चुके हैं, लेकिन उनका प्लेइंग-11 में स्थान पक्का नहीं है। इसका कारण अभिषेक शर्मा और संजु सैमसन की ओपनिंग जोड़ी है जो टीम को विश्व विजेता बना चुकी है। हालांकि, एशियन गेम्स में वैभव को मौका मिला था और उन्होंने अभिषेक के साथ ओपनिंग की थी, लेकिन इस समय वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जा रही टी20 सीरीज में उनको फिर बेंच पर बैठाया गया है जिससे उनके कोच मनीष ओझा नाराज हो गए हैं। उन्होंने टीम मैनेजमेंट पर तानाशाही के आरोप लगा दिए हैं। वैभव ने इंग्लैंड के खिलाफ अपना टी20 डेब्यू किया था। इसके बाद वह जिम्बाब्वे गए और वहां अभिषेक के साथ ओपनिंग की। 15 साल का यह खिलाड़ी लगातार टीम से अंदर-बाहर हो रहा है और उनके कोच मनीष को लगता है कि टीम मैनेजमेंट वैभव का भविष्य खराब कर रहा है।

वैभव तूफान है

मनीष ने हाल ही में स्पोर्ट्स नाओ को दिए इंटरव्यू में कहा कि वैभव तूफान है,



लेकिन टीम मैनेजमेंट उन्हें बेंच पर बैठाकर कुंठित कर रहा है।

मनीष ने कहा, मेरे हिसाब से वैभव तूफान है। जो भी उनको गिराने की कोशिश करेगा वह खुद गिर जाएगा। आज नहीं तो



कल वह चमकेगा। टीम इंडिया के मौजूदा मैनेजमेंट को लगता है कि वह बेंच पर बिठाकर खिलाड़ी को बनाते हैं। क्रिकेट के कई महान खिलाड़ी हैं, आप उनसे बात कर लीजिए। सभी कहेंगे कि अगर अगली पीढ़ी

टीम मैनेजमेंट कर रहा तानाशाही

मनीष का मानना है कि मौजूदा टीम मैनेजमेंट तानाशाही कर रहा है। उन्होंने कहा, किसी भी तरह से उन्होंने मन बना लिया है कि वह वैभव को मौका नहीं देंगे। वह बाहर बैठा है और पानी पिला रहा है। मुझे लगता है कि इस समय जो टीम मैनेजमेंट है वो तानाशाही कर रहा है। उनके दिमाग में जो आया वह वही करेंगे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जा रही पांच मैचों की टी20 सीरीज के तीन मैच हो चुके हैं और भारत ने 2-1 की बढ़त ले ली है। हालांकि, अभी तक वैभव को मौका नहीं मिला है। इसी महीने टीम को न्यूजीलैंड जाना है और पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है।

को तैयार करना है तो फिर उसे मैदान पर उतारना चाहिए, उन्हें खिलाना चाहिए। बेंच पर बिठाकर खिलाड़ी नहीं बनाए जाते, खासकर इस तरह का टैलेंट बेंच पर बैठकर खिलाड़ी नहीं बन पाएगा।

अजीत अगरकर के रहते जो रहे परेशान, अब फिर से बनेंगे टीम इंडिया की शान; दो की वापसी से मिले संकेत

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज अजीत अगरकर जब बीसीसीआई की सीनियर सेलेक्शन कमेटी के चेयरमैन थे तब कई खिलाड़ियों की वापसी का इंतजार, इंतजार ही रह गया। जैसे ही अगरकर गए दो की वापसी हो गई। इसी ने उम्मीद जगाई है कि अब वो खिलाड़ी भी वापस से टीम इंडिया की शान बन सकते हैं जो लंबे समय से बाहर चल रहे हैं या नजर अंदर किए जा रहे हैं।

नए चीफ सेलेक्टर प्रज्ञान ओझा की अध्यक्षता में न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारत की टी20 टीम का चयन किया गया। इसमें दो ऐसे खिलाड़ियों की वापसी हुई जिनकी उम्मीद हर कोई छोड़ चुका था। ये दो खिलाड़ी हैं भुवनेश्वर कुमार और वरुणा ल पांड्या। दोनों आईपीएल से लेकर घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे और इसी के दम पर वापसी की उम्मीद थी, लेकिन अगरकर मौका नहीं दे रहे थे। ऐसे ही कुछ और खिलाड़ी हैं जो अब टीम में वापसी की उम्मीद लगा सकते हैं।

इन खिलाड़ियों की हो सकती है वापसी

मोहम्मद शमी—इस लिस्ट में पहला नाम मोहम्मद शमी का है। चैंपियंस ट्रॉफी-2025 के बाद टीम इंडिया से बाहर गया दार् ए हाथ का यह तेज गेंदबाज घरेलू क्रिकेट में लगातार खेल रहा है और अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। हालांकि, उनको मौका नहीं मिला। शमी और अगरकर के बीच एक तरह की लड़ाई देखी गई जिसमें पूर्व चीफ सेलेक्टर ने कई बार कहा कि उन्हें शमी कि फिटनेस की जानकारी नहीं है। वहीं, शमी ने कहा कि सेलेक्टर उनसे उनकी फिटनेस के बारे में पूछ ही नहीं रहे हैं जबकि वह लगातार खेल रहे हैं जो अपने आप में साबित करता है कि फिटनेस कैसी है। अब जब भुवनेश्वर वापस लौट चुके हैं तो उम्मीद जताई जा रही है कि शमी को भी मौका मिल सकता है।

उमेश यादव—शमी की तरह और उनके साथ लंबे समय तक भारत की टेस्ट टीम के तेज गेंदबाजी आक्रमण को संभालने वाले उमेश यादव भी टीम इंडिया से बाहर हैं।

उमेश ने तो दो साल से फर्स्ट क्लास क्रिकेट भी नहीं खेला था। रणजी ट्रॉफी के इस सीजन में उन्होंने वापसी की है और पंजाब के लिए खेल रहे हैं। असम के खिलाफ पहली पारी में पांच विकेट लेकर उन्होंने बता दिया है कि वह फॉर्म में हैं। ऐसे में अगर उमेश अब वापसी कर जाएं तो हैरानी नहीं होगी।

दीपक चाहर—अपनी स्विंग से भारतीय टीम का अहम हिस्सा बनने वाले दीपक चाहर इस समय बाहर हैं। वह चोटों से लगातार परेशान थे इसलिए टीम से बाहर चल रहे थे, लेकिन फिट होने के बाद उन्हें मौका नहीं मिला। अब नए चीफ सेलेक्टर के होते हुए उनकी भी वापसी की उम्मीद जगी है। इसका एक कारण उनका ऑलराउंड खेल भी है जिसको गौतम गंभीर तर्जोह देते हैं। हार्दिक पांड्या और नीतीश कुमार रेड्डी लगातार चोटिल हो रहे हैं तो दीपक उनके विकल्प के तौर पर सही खिलाड़ी साबित हो सकते हैं।

रजत पाटीदार—साल 2024 में इंग्लैंड



के खिलाफ टेस्ट सीरीज में डेब्यू करने वाले रजत पाटीदार ने आईपीएल से लेकर घरेलू क्रिकेट तक में दमदार खेल दिखाया, लेकिन उनको मौका नहीं मिला है। टेस्ट में कमजोर मिडिल ऑर्डर में रजत जान फूंक सकते हैं। बहुत संभावना है कि उनकी भी टीम में वापसी हो जाए।

रोनाल्डो का मैच मिसाइल हमले से प्रभावित : एक घंटे की देरी से शुरू हुआ, अल नासर 3-1 जीता

सऊदी ने हूतियों की मिसाइल गिराई

सऊदी अरब के रियाद में हूती विद्रोहियों के मिसाइल हमले के खतरे के कारण एशियन फुटबॉल चैंपियंस ट्रॉफी का मैच एक घंटे देरी से शुरू हुआ। मुकाबले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम अल नासर ने नन्तची फरगाना को 3-1 से हराया। सऊदी लीडरशिप वाले सैन्य गठबंधन ने कहा कि उसने रियाद की ओर दागी गई हूतियों की बैलिस्टिक मिसाइल को रोककर नष्ट कर दिया।

रोनाल्डो ने एक गोल दागा, करियर का 981वां गोल

मैच अल-अबल पार्क में स्थानीय समयानुसार रात 9:15 बजे शुरू होना था। मुकाबला रात 10:15 में शुरू हो सका। रोनाल्डो ने पहले हाफ के अंत से ठीक पहले अपने करियर का 981वां गोल किया। मैच से कुछ देर पहले एएफपी के संवाददाताओं ने रियाद में धमाकों की आवाज सुनी। इसी दौरान शहर के लोगों के फोन पर हवाई खतरे का अलर्ट भी आया। अलर्ट में कहा गया, 'यह इलाका हवाई हमले के खतरे में है। कृपया शांत रहें और घर या

किसी सुरक्षित जगह पर रहें।' खिड़कियों और दरवाजों से दूर रहें। सिविल डिफेंस के निर्देशों का पालन करते रहें।' स्टैडियम के उद्घोषक ने कहा कि स्थिति सुरक्षित है और मैच खेला जाएगा। उन्होंने दर्शकों से अपनी सीटों पर बने रहने की अपील की। हालांकि, मैच का प्रसारण कर रहे टेलीविजन चैनल ने मुकाबला एक घंटे देर से शुरू होने की जानकारी दी। इसके बाद गठबंधन ने एक्स पर जारी बयान में हूतियों की ओर से दागी गई बैलिस्टिक मिसाइल को रोककर नष्ट करने की बात कही। इसके अलावा, रियाद एयरपोर्ट पर भी कई जानलेवा हमले हुए हैं। पुर्तगाली फुटबॉल फेडरेशन ने

टीम से बाहर जाने के मामले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो को 3 मैच के लिए सस्पेंड किया है। फेडरेशन ने उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी शुरू की। यह मामला फेडरेशन की अनुशासनात्मक जांच समिति को भेजा गया है। फेडरेशन ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि जांच पूरी होने तक उसके निष्कर्ष गोपनीय रहेंगे। 41 साल के रोनाल्डो ने अंतरराष्ट्रीय विंडो के दौरान पुर्तगाल का कैप छोड़ दिया था। नए कोच जॉर्ज जेीसस के साथ खेलने के कम समय पर विवाद हुआ था। नियमों के अनुसार, रोनाल्डो पर एक से छह महीने तक निलंबित किया जा सकता है।

बॉलीवुड

सनी देओल का नया और खूंखार लुक आया सामने! क्राइम थ्रिलर फिल्म सूर्या

अंत से आरंभ तक इस दिन होगी रिलीज

बॉलीवुड के एक्शन किंग सनी देओल अपनी आने वाली बहुप्रतीक्षित क्राइम थ्रिलर फिल्म सूर्या : अंत से आरंभ तक के साथ एक बार फिर बड़े पर्दे पर तहलका मचाने के लिए तैयार हैं। मेकर्स ने फिल्म का पहला लुक और एक दमदार मोशन पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें सनी देओल का बेहद रफ, इंटेंस और खतरनाक अंदाज नजर आ रहा है। यह फिल्म आगामी 20 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म 20 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पोस्टर की टैगलाइन, अपने अतीत और वर्तमान के बीच फँसे हुए, वे सच का पता लगाते हैं, एक ऐसी कहानी की ओर इशारा करती है जो दबे हुए राज और अनसुलझे सवालों पर आधारित है। देओल का रफ लुक फिल्म के गंभीर माहौल को और बढ़ाता है, जो एक्टर के लिए एक और ज्वरदस्त रोल साबित होगा।

सूर्या : अंत से आरंभ तक (जिसका मतलब है अंत से शुरूआत तक) का निर्देशन



मलयालम फिल्ममेकर एम. पद्मकुमार ने किया है, जो उनकी बॉलीवुड डेब्यू फिल्म है। यह फिल्म 2018 की समीक्षकों द्वारा सराही गई मलयालम थ्रिलर जोसेफ का हिंदी अडैप्टेशन है, जिसे शाही कबीर ने लिखा था। खबरों के अनुसार, देओल एक रिटायर्ड पुलिस ऑफिसर का रोल निभा रहे हैं जो एक ऐसी जांच में फँस जाते हैं, जिसके कारण उन्हें अपराध और अपने अतीत के राज्यों के जाल का सामना करना पड़ता है। फिल्म न्याय, नैतिक संघर्ष और

अनसुलझे सच के नतीजों जैसे विषयों को दिखाती है। फिल्म की स्टार कास्ट में रवि किशन, प्रज्ञा जायसवाल, जिस्सू सेनगुप्ता, टीनु आनंद, मनीष वाधवा और रतुश्री चक्रवर्ती के साथ-साथ रोहित तिवारी और अनूप त्रिवेदी भी शामिल हैं। एम. पद्मकुमार द्वारा निर्देशित और कमल मुकुट द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म को रू मूवीज बैनर के तहत दीपक मुकुट, हेमंत मुकुट और लोकेश मुकुट ने प्रोड्यूस किया है। जो म्यूजिक कंपनी इसके म्यूजिक से जुड़ी है।

यागिनक के जिस गाने का जिक्र हम अपने इस लेख में कर रहे हैं, वह साल 1980 में रिलीज हुई सत्येन बोस के निर्देशन में बनी फिल्म पायल को झंकार का है। फिल्म से अल्का यागिनक की आवाज में जो गाना सबसे बड़ा हिट हुआ उसके लिрикस थे थिरकत अंग लचकी झुकी।

अल्का यागिनक ने महज 14 साल की कम उम्र में एक ऐसा क्लासिकल गीत गाया था, जो शायद बड़ी-बड़ी सिंगर्स के लिए मुश्किल होता है। कौन सा था वह कल्ट गाना, जिसे अल्का यागिनक ने अपनी मधुर आवाज से बनाया अमर नीचे पढ़ें डिटेल्स। 90 के दशक की बेस्ट सिंगर अल्का

14 साल में Aika Yagink ने गाया था पहला क्लासिकल गीत

46 साल से देसी गाने पर राधा बन झूम रही कान्हा भक्त

बचपन से ही संगीत की शिक्षा लेने वाली अल्का यागिनक ने हिंदी सिनेमा को कई यादगार गाने दिए हैं। उनकी जोड़ी अगर उदित नारायण के साथ बनी, तो वहीं कुमार सानू के साथ भी खूबसूरत सिंगर ने कई हिट गाने दिया। 6 साल की कम उम्र में सिंगिंग की दुनिया में कदम रखने वाली दिग्गज सिंगर

अल्का यागिनक ने महज 14 साल की कम उम्र में एक ऐसा क्लासिकल गीत गाया था, जो शायद बड़ी-बड़ी सिंगर्स के लिए मुश्किल होता है। कौन सा था वह कल्ट गाना, जिसे अल्का यागिनक ने अपनी मधुर आवाज से बनाया अमर नीचे पढ़ें डिटेल्स। 90 के दशक की बेस्ट सिंगर अल्का

राहुल द्रविड़ को जब

आया था भयंकर गुस्सा

मैच में हार के बाद द वॉल ने ड्रेसिंग रूम में कर दिया था बड़ा कांड



भारत के पूर्व दिग्गज ब्लेबाज राहुल द्रविड़ को अक्सर शांत ही देखा जाता है। ऐसा बहुत ही कम समय देखने को मिला, जब उन्हें गुस्सा आया हो।

द्रविड़ को दीवार और मिस्टर भरोसेमंद के नाम से भी जाना जाता है। वे मैदान पर बहुत ही शांत होकर बैटिंग करते थे और गुस्से में बहुत कम या न के बराबर देखा गया। हालांकि, वे एक बार इतना गुस्सा हुए थे कि ड्रेसिंग रूम में कुर्सी फेंक दी थी।

द्रविड़ जैसे शांत खिलाड़ी का इस तरह से गुस्सा करना फैंस के लिए भी चौंकाने वाला था। उन्हें वे गुस्सा ऐसे समय में आया था, जब वे इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज जीतने में कामयाब नहीं हो सके थे। बस इसी बात पर द्रविड़ को गुस्सा आया और उन्होंने ड्रेसिंग रूम में कुर्सी फेंक दी।

राहुल द्रविड़ को जब ड्रेसिंग रूम में आया गुस्सा

द्रविड़ भले ही शांत स्वभाव के थे लेकिन टीम की हार उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं थी। इसका उदाहरण इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए एक टेस्ट मैच में भी देखने को मिला। दरअसल, साल 2006 में भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेली गई। इस सीरीज का आखिरी मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले में इंग्लैंड ने जीत हासिल कर सीरीज को 1-1 की बराबरी पर समाप्त किया था। तीसरे मैच में हार के बाद द्रविड़ अपना आपा खो बैठे और ड्रेसिंग रूम में रखी हुई कुर्सी को फेंक दिया। उन्हें इतने गुस्से में इससे पहले किसी ने नहीं देखा था। आमतौर पर वे हार के बाद शांत ही रहते थे लेकिन इंग्लैंड की हार ने द्रविड़ को भी गुस्सा करने पर मजबूर कर दिया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी भड़के थे द्रविड़

द्रविड़ को इससे पहले भी एक बार गुस्सा आया था लेकिन वो ऐसा मौका नहीं था, जहां उन्हें मैच में हार की वजह से गुस्सा आया। उन्हें 2004 में एक पत्रकार के सवाल पर गुस्सा आया था, जहां उन्होंने उसे प्रेस कॉन्फ्रेंस से बाहर करने की बात कह डाली थी। बता दें कि 2004 में टीम इंडिया पाकिस्तान के दौरे पर गई थी, जहां द्रविड़ से मैच फिक्सिंग को लेकर सवाल किया था। इसी पर पूर्व भारतीय कप्तान भड़क गए थे और पत्रकार को बाहर निकालने की बात कही थी।

6 साल बाद होगा बिपाशा का कमबैक

एक समय पर हिंदी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री के तौर पर बिपाशा बसु को जाना जाता था। लेकिन सिनेमा जगत से दूरी बनाने की वजह से कहीं न कहीं बिपाशा लाइमलाइट से गायब हो गई थीं। लेकिन अब जो खबर सामने आ रही है, वह बिपाशा बसु के चाहने वालों के चेहरे पर मुस्कान ला सकती है। करीब 6 साल के लंबे इंतजार के बाद बतौर एक्ट्रेस बिपाशा बसु एक्टिंग की दुनिया में वापसी कर जा रही हैं। उन्होंने एक राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता निर्देशक संग आगले प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिलाया है।

बिपाशा बसु वेब सीरीज से करेंगी कमबैक—बतौर एक्ट्रेस आखिरी बार बिपाशा बसु को अभिनेता और उनके

पति करण सिंह ग्रोवर की क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज डेजरस में देखा गया था, जिसे साल 2020 में ओटीटी पर रिलीज किया गया था। इसके बाद साल 2022 में बिपाशा ने बेटी देवी को जन्म दिया और तब से वह अपनी लाइली के पालन-पोषण में बिजी रही। अब वह एक्टिंग के फील्ड में एक अनटाइल वेब सीरीज के जरिए कमबैक करने जा रही हैं। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार बिपाशा बसु की आने वाली वेब सीरीज का निर्देशन फिल्म शाहिद के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का नेशनल फिल्म अवॉर्ड जीतने वाले डायरेक्टर हंसल मेहता कर रहे हैं। बिपाशा के अलावा इस सीरीज में कटरीना कैफ के देवर यानी एक्टर सनी कोशल भी अहम किरदार में नजर आएंगे। इसका अलावा मर्दानी 2 फेम कलाकार विशाल जेंठवा इस अनटाइल वेब सीरीज का हिस्सा है।

मैं चाहता हूं वो मेरे शरीर...भगवान राम का किरदार निभाने से डरे रवी किशन, रामलीला में देखने को मिलेगी झलक

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर इन दिनों अपने फिल्म रामायण को लेकर काफी चर्चा में हैं। फिल्म में उन्होंने भगवान राम और परशुराम का किरदार निभाया है।

कब से कब तक होगा कार्यक्रम?

लेकिन इससे पहले कि आप रणबीर कपूर को रामायण में भगवान राम के रोल में देखें और भक्ति में डूब जाएं एक्टर और बीजेपी सांसद रवि किशन आपको ये मौका दे रहे हैं। रवि किशन अयोध्या की रामलीला में भगवान राम का किरदार निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह कार्यक्रम 19 और 20 अक्टूबर को नई दिल्ली में होगा। इस इवेंट का प्रसारण दुनिया भर में किया जाएगा।

रवि किशन ने भगवान से की प्रार्थना

हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान, मिर्जापुर फेम एक्टर ने कहा कि उन्हें भगवान राम का रोल निभाने में डर लग रहा है। हिन्दुस्तान टाइम्स से बातचीत में रवि किशन ने कहा, पहली बार श्री राम का रूप धारण करने का सौभाग्य मिला और मैं प्रार्थना करता हूँ और चाहता हूँ कि वो मेरे शरीर में प्रवेश करें और मुझे परफॉर्म करने की एनर्जी दें। उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने परशुराम और केवट की भूमिकाएं निभाई हैं।

यहां तक कि बचपन में उन्होंने माता सीता का किरदार भी निभाया है। एक्टर ने याद किया कि एक टीवी शो में उन्होंने भगवान कृष्ण की भूमिका भी निभाई थी। लेकिन वह हमेशा

भगवान राम का किरदार निभाना चाहते थे।

एक्टर को सता रहा किस बात का डर?

रवि किशन ने बताया कि उन्हें भगवान राम का रोल निभाने में डर लग रहा है। उन्होंने कहा, मैं अंदर से डरा हुआ हूँ। मेरा मानना है कि जब कोई एक्टर स्टेज पर जाता है तो उसके लिए डर और घबराहट बहुत जरूरी होती है। और यह श्री राम का रोल है इसलिए इसे सही ढंग से निभाने की और भी ज्यादा जरूरत है। मन में हमेशा यह बात रहती है कि कोई गलती न हो जाए। उन्होंने आगे कहा कि स्टेज पर कोई गलती नहीं की जा सकती और न ही मन से कुछ नया जोड़ा जा सकता है। वहां तय स्क्रिप्ट और किरदार के दायरे में ही रहना पड़ता है।

‘जैसा बोओगे, वैसा पाओगे’

वीना नाहर, ब्यावर



समय की लेखनी से लिखी, एक अमिट कहानी है! कर्मों की इस कर्मभूमि में, कर्म ही सच्ची निशानी है!! न धन साथ जाएगा, न वैभव, न पद का अभिमान! जो बोया है जीवन-भर, वही बनेगा अंतिम पहचान!!

कल की बात करें तो सुनिए,

कल किसी की राह में काँटे, हमने स्वयं बिछाए थे!
किसी अधर की मुस्कान छीनकर, अपने महल सजाए थे!!
किसी नयन में अश्रु दिए थे, किसी हृदय को उस!
आज वही प्रतिध्वनि बनकर, लौट रही है परिवेश!!

समय बड़ा बलवान है

न करता पक्षपात, न करता विलंब, न भूलता कोई दान!

कर्मों का लेखा रखता है, यह अदृश्य विधान!!

कल जो बोया था, वह उग आया,

अब उससे कैसे बच पाओगे?

अपने ही कर्मों की छाया से,

कहीं तलक छिप जाओगे?

पर सुनो:

आज अभी भी समय तुम्हारा है!

आज किसी के सूने नयनों में, आशा का दीप जला दो!

आज किसी टूटे हृदय पर, स्नेह-सुधा बरसा दो!!

आज किसी निराश पथिक को, मंज़िल का विश्वास दो!

आज किसी भूखे अधरों को, रोटी का मधुमास दो!!

क्योंकि,

आज जो प्रेम लुटाओगे, कल प्रेम ही पाओगे!

आज जो दीप जलाओगे, कल जगमग हो जाओगे!!

कल तुम्हारे कर्मों का होगा, अपना ही प्रतिरूप!

जैसी होगी बीज-वृत्ति, वैसा ही होगा स्वरूप!!

विष बोओगे,विष ही उगेगा, अमृत बोओ, अमृत पाओ!

घृणा बोओगे,घृणा मिलेगी, प्रेम बोओ, प्रेम कमाओ!!

याद रखो,

बीज कर्मों छोटा नहीं होता, उसमें वन सोया होता है!

एक कर्म का सूक्ष्म कण भी, भविष्य सँजोया होता है!!

इसलिए आज संभलकर बोना,

शब्द भी बीज हैं, कर्म भी बीज हैं, भाव भी बीज हमारे,

एक-एक बीज से बनते हैं, जीवन के सुख-दुःख सारे।

किसी को गिराकर ऊँचे होना,किस ऊँचाई का मान?

किसी को रुलाकर हँसना किस सुख का अभिमान?

चलो किसी के दीप बनें हम, बनें किसी की आस!

मानवता के पथ पर चलकर, रम दें नव इतिहास!!

कल पूछेगा तुमसे जीवन,

क्या बोया था? क्या पाया है?

किसके आँसू पोछे तुमने?

किसके अधर हँसाया है?

तब मत कहना,समय न था,

मत कहना, अवसर कम था

कर्मभूमि में हर श्वास तुम्हारी,

एक नया अवसर ही तो था!!

नो आओ,

आज घृणा के बीज जलाएँ, प्रेम-सुमन बरसाएँ!

आज स्वयं बदलें, और बदलते जग को जाएँ!!

क्योंकि प्रकृति का यह अटल विधान है!

न्याय नहीं,तो फिर क्या है?

जो जैसा देता जग को,

वापस वैसा ही मिलता है!!

और इसलिए,

कर्म करो तो ऐसा करो कि दुर्गों तलक मिसाल बने!

पग-पग पर मानवता खिले और जीवन खुशहाल बनें!!

प्रेम बोओगे,प्रेम मिलेगा, सत्य बोओ, सम्मान!

कर्मों की धरती पर मानव,

तुम ही अपने भाग्य-विधान!!

और अंत में बस इतना,

‘वीना’ नियत नहीं लिखती भाग्य तुम्हारा!

कर्मों से इतिहास बनाओगे!

आज जो बीज धरा में बोओगे,

कल वही वृक्ष बन पाओगे!!

याद रखो!

जैसा भाव... वैसा व्यवहार!

जैसा कर्म... वैसा परिणाम!

जैसा बीज... वैसा वृक्ष

और

जैसा बोओगे...

वैसा ही पाओगे

(जैन साहित्य संगम संस्थान के तृतीय राष्ट्रीय अधिवेशन,बीकानेर में आयोजित काव्य- पाठ प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कृत श्रीमती वीना नाहर की रचना)



बीजेपी नेता मरांडी का आरोप... कांग्रेस और काँकरोच एक ही हैं, दोनों अंधेरे में पनपते

रांची (एजेंसी)। जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित कांग्रेस कार्यालय के बाहर भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हुई हिंसक झड़प के 24 घंटे बाद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कांग्रेस पर तीखा हमला है। भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में मरांडी ने कहा कि कांग्रेस और काँकरोच एक ही हैं, दोनों अंधेरे में पनपते हैं और देश के लोकतांत्रिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के शांतिपूर्ण विरोध पर पथराव करना कांग्रेस की बढ़ती हताशा को दिखाता है। बीजेपी नेता मरांडी ने आरोप लगाया कि पवित्र नवरात्र के मौके पर जब पूरा देश भक्ति में लीन है, तब कांग्रेस और इंडी गठबंधन के दल सड़कों पर उपद्रव मचाकर सांस्कृतिक आस्था पर आघात कर रहे हैं। जमशेदपुर की घटना का जिक्र उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा कार्यकर्ता केवल कांग्रेस की जनविरोधी नीतियों का लोकतांत्रिक विरोध कर रहे थे, जिसके जवाब में कांग्रेसियों ने पथराबाजी की। पूर्व मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की साजिश रचने का भी गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सत्ता से बाहर होने के बाद से कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट जैसी निष्पक्ष संस्थाओं पर दबाव बनाने और समाज को बांटने के लिए नकारात्मक माहौल तैयार कर रही है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने अनुच्छेद 370 हटाने और माओवाद को समाप्त करने जैसी ऐतिहासिक सफलताएं हासिल की हैं। मरांडी ने भाजपा कार्यकर्ताओं से धैर्य बनाए रखकर विपक्ष के अराजक रवैये को जनता के सामने बेनकाब करने का आह्वान किया।



वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल सिंह ने तेजस में भरी अपनी अंतिम लड़ाकू उड़ान, 31 अक्टूबर को हो रहे सेवानिवृत्त

जोधपुर (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने जोधपुर वायुसेना स्टेशन पर स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान तेजस में अपनी अंतिम लड़ाकू उड़ान भरी। आगामी 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त होने जा रहे वायुसेना प्रमुख की उड़ान को भारतीय वायुसेना ने उनके अनुकरणीय नेतृत्व, अदम्य साहस और पेशेवर प्रतिबद्धता का सर्वोच्च प्रतीक बताया है। वायुसेना ने इस ऐतिहासिक उड़ान का वीडियो और तस्वीरें साझा कीं, जिसमें एयर चीफ मार्शल भिन्न देशों के विमानों और सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम के साथ आसमान की ऊंचाइयों को छूते नजर आ रहे हैं। भारत में ही विकसित होने वाले तेजस में नौसेना व वायुसेना की शक्ति और आत्मनिर्भरता का संदेश निहित है। वायुसेना प्रमुख की यह उड़ान न केवल एक शीर्ष पायलट के गौरवशाली करियर का प्रतीक है, बल्कि स्वदेशी रक्षा उत्पादन क्षमता के प्रति भारतीय वायुसेना के अटूट विश्वास को भी मजबूती से रेखांकित करती है।

शहीद एएसआई इकबाल सिंह के परिवार को 2 करोड़ की मदद : पंजाब सरकार और एचडीएफसी बैंक ने की घोषणा

तरनतारन (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने तरनतारन जिले में कर्तव्य के दौरान शहीद हुए पंजाब पुलिस के सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) इकबाल सिंह के परिजनों को एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। एएसआई सिंह की अपने घर लौटते समय अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। मुख्मंत्री भगवंत मान ने शहीद जवान की बहादुरी और जज्जे को नमन कर कहा कि दुख की इस घड़ी में पंजाब सरकार पीड़ित परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। इसी क्रम में, पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने जाकारारी दी कि सरकार की ओर से दी जाने वाली एक करोड़ रुपये की सहायता के अलावा, एचडीएफसी (एचडीएफसी) बैंक पुलिस कल्याण बीमा कवर के तहत परिवार को एक करोड़ रुपये की अतिरिक्त बीमा राशि प्रदान करेगा। इस प्रकार शहीद के परिजनों को कुल दो करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता मिलेगी। डीजीपी ने स्पष्ट किया कि शहीद इकबाल सिंह को पूरे राजकीय एवं पुलिस सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी और उनके कानितों को बख्शा नहीं जाएगा।

एटीएस अफसर बन बुजुर्ग किसान को किया डिजिटल अरेस्ट, 1.31 करोड़ कराए ट्रांसफर

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में जालसाजों ने मुंबई पुलिस और एटीएस के अधिकारी बनकर एक किसान से 1.31 करोड़ रुपए ठग लिए। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने पहलगाम आतंकवादी हमले के एक आरोपी को धन अंतरित करने का आरोप लगाते हुए किसान को डिजिटल अरेस्ट कर लिया था। पुलिस के मुताबिक किसान को 2 सितंबर से 6 अक्टूबर 2026 तक डिजिटल अरेस्ट में रखा गया और इस दौरान ठगों ने खासरेपेण वीडियो कॉल के जरिये उसे धमकाया और कई बैंक खातों में रुपए ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया।

पीयूष गोयल की राहुल गांधी को सीधी चुनौती: वोट चोरी के सबूत पेश करें पूरा विपक्ष

-राहुल गांधी आरोप लगाकर भाग जाने वाले नेता

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर वोट चोरी के आरोपों को लेकर करारा हमला बोला है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने राहुल गांधी के रुख को पूरी तरह से दोहरा मानदंड और गैर-जिम्मेदाराना करार दिया। उन्होंने राहुल पर शूट एंड स्कूट (आरोप लगाकर भाग जाने) की राजनीति करने का आरोप लगाकर सीधी चुनौती दी कि वे इन गंभीर आरोपों पर केवल विरोध-प्रदर्शन करने के बजाय कानूनी तरीकों से चुनाव आयोग के सामने सबूत पेश करें। केंद्रीय मंत्री गोयल ने सवाल किया कि अगर उनके पास अपने दावों के समर्थन में ठेस प्रमाण हैं, तब उन्होंने अब तक चुनाव आयोग को कोई हलफनामा क्यों नहीं सौंपा है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने राहुल गांधी से 10 तीखे सवाल पूछकर कांग्रेस के शासनकाल का ऐतिहासिक ज्यौरा देकर आरोप लगाया कि देश में चुनाव आयोग की साख को सबसे



ज्यादा नुकसान कांग्रेस ने ही पहुंचाया है। उन्होंने याद दिलाया कि यूपीए सरकार के दौरान, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त नवीन चावला पर पक्षपात के गंभीर आरोप लगने के बावजूद, कांग्रेस ने उन्हें पदोन्नत कर मुख्य चुनाव आयुक्त बनाया था। केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता को ताक पर रखकर कई पूर्व चुनाव आयुक्तों को राजनीतिक पुरस्कार बांटे। इसमें से एक को संसद का टिकट दिया गया, एक

को केंद्रीय मंत्रिमंडल में मंत्री बनाया गया, और दो पूर्व सीईसी को राज्यपाल के पदों से नवाजा गया। केंद्रीय मंत्री गोयल ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन. शेफन का उदाहरण देकर याद दिलाया कि 1999 के चुनाव में कांग्रेस ने उन्हें लालकृष्ण आडवाणी के खिलाफ चुनावी मैदान में उतारा था। इसी तरह, पूर्व सीईसी एस.एस. गिल को पद पर रहते हुए पद विभूषण देना और बाद में यूपीए सरकार में

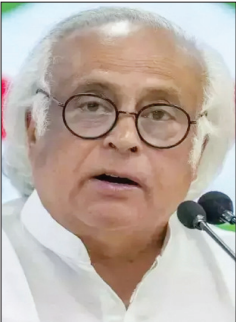
केंद्रीय मंत्री बनाना, आयोग की स्वायत्तता पर कांग्रेस द्वारा किए गए प्रहारों का प्रत्यक्ष प्रमाण है। इसके विपरीत, पीयूष गोयल ने दावा किया कि मौजूदा एनडीए सरकार ने चुनाव आयोग को पूर्ण संवैधानिक स्वायत्तता प्रदान की है और उसकी निष्पक्षता में कोई हस्तक्षेप नहीं किया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राहुल गांधी पर तीखा प्रहार कर गोयल ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर बेवजह विवाद खड़ा करने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर कांग्रेस इस प्रक्रिया को गलत मानती थी, बिहार और बंगाल चुनावों के दौरान इस पर आपत्ति क्यों नहीं जाहिर की। केंद्रीय मंत्री गोयल ने निष्कर्ष निकालकर कहा कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर बार-बार निराधार सवाल उठाना भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने की एक सोची-समझी साजिश है, जिसे सफल नहीं होने दिया जाएगा।

पश्चिम बंगाल में पात्र मतदाताओं के पंजीकरण के लिए विशेष अभियान

-जयराम ने सीईसी ज्ञानेश कुमार पर लगाए आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पश्चिम बंगाल में मतदाता पंजीकरण को लेकर चुनाव आयोग की ओर से जारी प्रेस नोट पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि आयोग की हालिया कार्रवाई विधानसभा चुनावों में कथित अनियमितताओं से जुड़ी है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से 12 अक्टूबर को जारी प्रेस नोट

का उल्लेख किया। इसमें कहा गया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर राज्य के सभी 24 जिला निर्वाचन अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने के लिए अभियान शुरू किया है कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची में शामिल होने से न छूटे। चुनाव आयोग के अनुसार राज्य में विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं। किसी भी शिकायत के लिए मतदाता बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ), सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) या जिला निर्वाचन अधिकारी (डीओ) से संपर्क कर सकते हैं।



शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता आनंद दुबे ने दिया इस्तीफा

-पार्टी पर हिंदुत्व और बालासाहेब की विचारधारा से भटकने का आरोप



मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में उद्भव ठाकरे नीत शिवसेना (यूबीटी) को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के प्रमुख उत्तर भारतीय चेहरे और विधायक आदित्य ठाकरे के करीबी राष्ट्रीय प्रवक्ता आनंद दुबे ने अपने पद और पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने इस्तीफे के पीछे पार्टी के अपनी मूल हिंदुत्व विचारधारा से दूर जाने और कांग्रेस के साथ बढ़ती राजनीतिक नजदीकियों को मुख्य वजह बताया है। पार्टी छोड़ने के बाद आनंद दुबे ने कहा कि स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना का गठन कट्टर हिंदुत्व, मराठी अस्मिता और मुजरात राष्ट्रवाद के आधार पर हुआ था। हालांकि, मौजूदा समय में शिवसेना (यूबीटी) की राजनीतिक दिशा और उनकी व्यक्तिगत वैचारिक प्रतिबद्धताओं के बीच गहरा मतभेद पैदा हो गया है, जिससे पार्टी का पक्ष रखना असंभव हो गया था।

दुबे ने कांग्रेस और राहुल गांधी के प्रति पार्टी के झुकाव पर सीधा सवाल उठाकर कहा कि राजनीतिक गठबंधन कभी भी पार्टी की मूल वैचारिक पहचान की कीमत पर नहीं होने चाहिए। उन्होंने उद्योगपतियों को लेकर पार्टी के दोहरे रवैये की आलोचना की और कहा कि देश में निवेश व रोजगार पैदा करने वाले उद्योगपतियों का मूल्यांकन निष्पक्ष होना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का विरोध केवल नीतिगत मुद्दों पर होना चाहिए, न कि निराधार व्यक्तिगत आधार पर होना चाहिए। इस इस्तीफे को मुंबई में शिवसेना (यूबीटी) के उत्तर भारतीय वोट बैंक के लिए बड़ा नुकसान माना जा रहा है।

मोदी पर टिप्पणी मामले में राहुल को राहत, सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल पर लगाई रोक

-बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर नोटिस जारी, चार सप्ताह में मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े आपराधिक मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट ने राहत प्रदान की है। शीर्ष अदालत ने मामले में निचली अदालत में चल रहे ट्रायल पर रोक लगा दी है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस अपारेश कुमार सिंह की पीठ ने बॉम्बे हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली राहुल गांधी की याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें मानहानि की शिकायत को रद्द करने से इनकार कर दिया गया था। अदालत ने संबंधित पक्षों से चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है।



यह मामला राहुल गांधी की उन कथित टिप्पणियों से जुड़ा है, जिनमें उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के लिए कथित तौर पर 'चोरों का सरदार' और 'कमांडर-इन-थीफ' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इन टिप्पणियों से प्रधानमंत्री के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी और उसके सदस्यों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा। मामले की

शुरुआत बीजेपी कार्यकर्ता महेश श्रीश्रीमाल की शिकायत से हुई थी। उन्होंने मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में राहुल गांधी के खिलाफ आपराधिक मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी। मजिस्ट्रेट ने शिकायत पर सुनवाई करते हुए राहुल गांधी को समन जारी किया था। राहुल गांधी ने समन को चुनौती देते हुए दलील दी थी कि शिकायत सुनवाई योग्य नहीं है। उनका कहना था कि उन्होंने अपनी टिप्पणी में किसी निश्चित व्यक्ति या पहचान योग्य वर्ग का नाम नहीं लिया था। ऐसे में किसी स्पष्ट पीड़ित व्यक्ति या समूह के अभाव में शिकायतकर्ता को मुकदमा चलाने का अधिकार नहीं बनता। हाईकोर्ट ने हस्तक्षेप से किया था इनकार

बॉम्बे हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की याचिका खारिज करते हुए कहा था कि शिकायतकर्ता दो दशकों से बीजेपी का सक्रिय सदस्य होने का दावा करता है। विवादित टिप्पणी और शिकायत के तथ्यों को देखते हुए शुरुआती चरण में यह नहीं कहा जा सकता कि बयान केवल पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व तक सीमित था। टिप्पणी का वास्तविक आशय और पार्टी सदस्यों पर उसका प्रभाव ट्रायल के दौरान तय किया जा सकता है। हाईकोर्ट ने मजिस्ट्रेट के आदेश में हस्तक्षेप करने का आधार नहीं पाया था। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में शशि थरूर से जुड़े एक मामले में दिली हाईकोर्ट ने कहा था कि पंजीकृत राजनीतिक पार्टी एक पहचान योग्य और निश्चित संस्था हो सकती है। राहुल गांधी ने हाईकोर्ट के आठ सितंबर के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। शीर्ष अदालत ने अब इस याचिका पर संबंधित पक्षों से जवाब तलब करते हुए ट्रायल पर रोक लगा दी है। मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई और पक्षकारों के जवाब पर निर्भर करेगी।

राहुल और दीपके के प्रदर्शनों से परेशान भाजपा कर रही बड़ी तैयारी

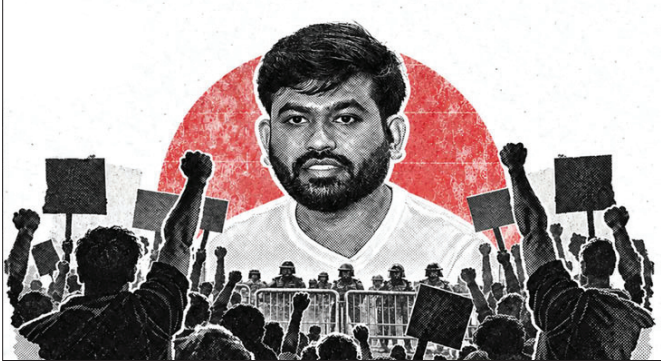
नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली की सड़कों पर 6 अक्टूबर से ही प्रदर्शनों का माहौल है, जिनके केंद्र में चुनाव आयोग, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एसआईआर प्रक्रिया हैं। इन प्रदर्शनों की अनुवाई अभिजित दीपके की काँकरोच जनता पार्टी और कांग्रेस जैसे दल कर रहे हैं। इन सभी की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ लगातार हलचल जारी है। खबरें हैं कि इन प्रदर्शनों से निपटने के लिए भाजपा की अनुवाई वाली एनडीए सरकार बड़ी तैयारी कर रही है। सूत्रों के अनुसार, पार्टी प्रदर्शकारियों से बात करने की

कोशिश के लिए तैयार है, जिनमें छात्र और युवा भी शामिल हैं। हालांकि, इसे लेकर सरकार ने आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा है। संभावनाएं बताई जा रही हैं कि भाजपा मौजूदा हालात से निपटने के लिए कई तरह की रणनीतियों पर काम कर रही है, हालांकि पार्टी ने औपचारिक रूप से अगले कदम को लेकर कोई घोषणा नहीं की है। भाजपा ने दिल्ली के मौजूदा हालात से राजनीतिक रूप से निपटने की तैयारी की है। इस दौरान उसके निशाने पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और आम आदमी पार्टी बताए जा रहे हैं। हालांकि, इसे लेकर किसी भाजपा नेता ने सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं

की है। बताया जा रहा है कि भाजपा चुनाव आयोग से जुड़े मामलों की एक फैक्ट शीट प्रदर्शित करने की तैयारी कर रही है। सूत्रों ने इस संबंध में कहा है कि देश का कानून स्पष्ट है और सभी पर समान रूप से लागू होता है। सरकार इसके प्रावधानों को ही लागू कर रही है कि सभी काम तय प्रक्रिया के तहत ही होने चाहिए। इनमें सड़कों पर प्रदर्शन और चुनाव आयुक्त को हटाय जाने का सवाल भी शामिल है, जिसे सिर्फ महाभियोग के जरिए ही किया जा सकता है। पार्टी के एक सूत्र ने यह भी बताया कि एक ओर जहां चुनाव आयोग ने एसआईआर के मुद्दे पर स्थिति स्पष्ट

करने की कोशिश की है, वहीं सरकार ने नई दिल्ली के संवेदनशील इलाकों से प्रदर्शनकारियों को हटाने में संयम दिखाया है। इस दौरान आपराधिक या कानूनी कार्रवाई जैसे उपाय नहीं किए गए और लोगों के प्रदर्शनों के अधिकारों और कानून व्यवस्था में संतुलन बनाए रखने का प्रयास किया गया। सूत्र ने यह भी कहा कि अगर सरकार लोगों के विरोध के अधिकार के खिलाफ होती, तो रामलीला मैदान जैसी जगह प्रदर्शन के लिए नहीं देती, जहां सड़कों पर नाराजगी जाहिर कर रहे एक वर्ग के चलते जनता को परेशानी नहीं होती। इस बीच, बीते सप्ताह से विपक्षी गठबंधन दिल्ली में प्रदर्शन कर रहा है।

अब संभावनाएं बताई जा रही हैं कि मंगलवार को इस पर कुछ समय के लिए विराम लग सकता है। एक नेता ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट तक सफल मार्च



अब संभावनाएं बताई जा रही हैं कि मंगलवार को इस पर कुछ समय के लिए विराम लग सकता है। एक नेता ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट तक सफल मार्च

और याचिका दाखिल करने के बाद मंगलवार को नए मार्च या प्रदर्शन की जरूरत नहीं है।

